वर्षः 7- अंकः 173, मुंबई, शनिवार, 2 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ईद-उल-अज़हा की मुबारकबाद

कहां करें कुर्बानी?

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निदेर्शों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से अधिकतर बूचड़खाने बंद किए गए हैं। राज्य सरकार की तरफ से स्थिति साफ नहीं होने से इस बार बकरीद पर मदरसों और आम लोगों में कुबार्नी को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश के अधिकतर मदरसों की तरफ से बड़े जानवरों की सामूहिक कुबार्नी पिछले साल तक आमतौर पर सरकारी बूचड़खानों में ही कराई जाती थी। लेकिन योगी आदित्यनाथ सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निदेर्शों के अनुपालन में अधिकतर बूचड़खाने बंद कराए जाने से मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कुबार्नी कराने वालों में भ्रम की स्थिति: शहाबउद्दीन रजवी

बरेली मुसलमानों की आस्था के प्रमुख केन्द्र दरगाह आला हजरत से जुड़े जमात रजा-ए-मुस्तफा के महासचिव शहाबउद्दीन रजवी ने भी कहा कि बूचड़खाने बंद किए जाने के बाद पैदा सूरतेहाल के बीच बकरीद को लेकर सरकार की तरफ से कोई निर्देश नहीं आने के बाद कुबार्नी कराने वालों में भ्रम की स्थिति है। कहीं ना कहीं उनमें डर भी व्याप्त है। इस बारे में सरकार का पक्ष जानने की कोशिश की गई लेकिन किसी भी अधिकारी ने इस पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

कम से कम एक दिन बूचड़खाने खोल देती सरकार: मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली

इबादत, शहादत और इंसानियत

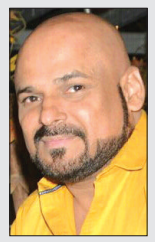

***इंसान** की जिंदगी भी कितनी अजीब है अभी-अभी कुदरत की मार से बेहाल मुंबई पूरी तरह से संभल भी नहीं पाई कि इसकी फिजाओं में ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की खुशियों ने दस्तक दे दी। यह भी इत्तेफाक ही है कि मुंबई में इन दिनों महाराष्ट्र का सबसे प्रसिद्ध और बड़ा त्यौहार गणेशोत्सव की धूम है। यह ईश्वर-अल्लाह की भक्ति का ही मंजर है कि दोनों समुदाय के लोग सारी तकलीफों को भूलकर पूजा व इबादत में लगे हैं। लेकिन यहां सबसे बडा प्रश्न यह है कि अपनी इस पूजा-इबादत से हमने क्या वह सबक हासिल किया जिसके लिए इसकी शुरुआत की गई। मुझे तो ऐसा नहीं दिखता क्योंकि देश में आज भी नफरत के शोले भड़क रहे हैं। बेवजह लोगों की हत्याएं की जा रही हैं, कहीं बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं, कहीं ढोंगी बाबाओं के कारण देश और कौम का नाम खराब किया जा रहा है तो कहीं धर्म की परंपरा से खिलवाड़ किया जा रहा है। जीवन देने वाले अस्पतालों में बच्चे काल के गाल में समा रहे हैं। बावजूद इसके हम खुश हैं। त्यौहार मना रहे हैं इबादत और भक्ति में डूबे हैं। क्योंकि अपने देश की यही संस्कृति है, यही परंपरा है। हम पिछले सारे दुख, विपदा, अन्याय, अनाचार, दुराचार और पापाचार को भूल भक्ति की मस्ती में डूब जाते हैं। जबकि हमें इबादत और शहादत के वास्ताविक व मूल उद्देश्य को समझकर उसपर अमल करने की जरुरत है ताकि मुल्क, कौम और इंसानियत की रक्षा हो सके। नफरत की आग बुझ सके। अत्याचार, अनाचार का अंत हो सके।*

इन्हीं शब्दों के साथ आप सबों को ईद-उल-अजहा और गणेशोत्सव की दिली मुबारकबाद।

- दिलशाद एस. खान

'ब्लू व्हेल' के खिलाफ आई 'पिंक व्हेल'

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

पुलिस बस पर आतंकी हमला

1 जवान शहीद

आठ घायल

श्रीनगर। श्रीनगर के पंथाचौक में पुलिस बल पर आतंकी हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि पुलिस के पेट्रोलिंग दस्ते पर आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। यह हमला पुलिसकर्मियों को ले जा रही एक बस पर हुआ है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर को हुआ डेंगू

अस्पताल में भर्ती

मुंबई। कपिल शर्मा की तबीयत पिछले कुछ समय से सही नहीं चल रही है, जिस वजह से उनके शो 'द कपिल शर्मा शो' को बंद करने का फैसला लिया गया है। अब खबर आ रही है कि सुनील ग्रोवर को डेंगू हो गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुत्थी, मशहूर गुलाटी और रिंकू देवी के किरदार से फेमस हुए सुनील पिछले कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उन्हें मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में एडमिट कराया गया है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पानी ने बढ़ाई रेलवे की परेशानी

मुंबई। मंगलवार को हुई बारिश के बाद अब लोकल ट्रेन धीमी रफ्तार से ही सही, पटरी पर लौट रही है। पश्चिम रेलवे की उपगनरीय सेवाएं लगभग यथावत हो चुकी हैं, लेकिन मध्य रेलवे पर दो-तीन दिन का इंतजार करना पड़ेगा। बारिश में जिन रैक को रेलवे द्वारा चलाने की कोशिश की गई थी उनमें से कुछ में पानी के कारण नुकसान हुआ है। इन्हें धीरे-धीरे ठीक करके सेवा में जोड़ा जा रहा है लेकिन आसनगांव और वासिंद के बीच दुरंतो एक्सप्रेस पटरी पर उतर जाने के बाद अभी भी राहत कार्य जारी है और इसमें भी 2 दिन का वक्त लग सकता है।

पानी ने बढ़ाई परेशानी

मध्य रेलवे के कर्जत-लोनावाला सेक्शन में मिट्टी से बनी चट्टानों के कारण बारिश में परेशानी बढ़ रही है। इसी कारण दुरंतो एक्सप्रेस डीरेल हुई थी। अब राहत कार्य के दौरान भी लगातार कीचड़ ट्रैक पर आता है। मंडल रेल प्रबंधक रवींद्र गोयल

ने बताया कि अगले मॉनसून तक इस सेक्शन में कोकण रेलवे की तर्ज पर सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी ताकि भविष्य में चट्टान फिसलने और ट्रैक पर कीचड़ आने जैसी घटनाओं से बचा जा सके। उपनगरीय ट्रेनों के परिचालन में भी में पानी के परेशानी हुई है। मंगलवार की बारिश में मध्य रेलवे के 35 ट्रैक खराब हो गए थे, इनमें से 13 को ठीक कर लिया गया है, जबकि 22 को ठीक करना है। पश्चिम रेलवे पर भी 7 ईएमयू रैक को पानी के कारण क्षति पहुंची है लेकिन 6-7 अतिरिक्त रैक की बदौलत सेवाओं पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है।

सूचना तंत्र होगा दुरुस्त

बारिश में जो लोग लोकल ट्रेनों में अटक गए थे उनकी शिकायत थी कि रेलवे द्वारा समय पर सूचना नहीं दी जा रही थी। हालांकि ट्विटर पर सूचना का प्रसारण हो रहा था लेकिन ट्रेन में घोषणा नहीं होने की शिकायत यात्रियों द्वारा की गई थी। मध्य रेलवे मुंबई डिविजन के मंडल प्रबंधक रवींद्र गोयल के अनुसार, ह्यट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम (कंट्रोल रूम) से मोटरमैन और गार्ड को मोबाइल के द्वारा सूचना भेजी जाती है। यह सूचना मिलने पर वे लोग इसे ट्रेन में अनाउंसमेंट सिस्टम के जरिए प्रेषित करते हैं।ह्ल लेकिन आमतौर पर ट्रेन परिचालन के समय मोटरमैन और गार्ड को मोबाइल का उपयोग नहीं करने का निर्देश दिया है जिसके चलते यह सूचनाएं अक्सर नहीं पहुंच पाती हैं। जबकि पश्चिम रेलवे के ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम में गार्ड ट्रेन के सिस्टम से ही मोबाइल का उपयोग किए बिना कंट्रोल रूम से संपर्क स्थापित कर सकता है। मध्य रेलवे ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में इस भूल को सुधारा जाएगा ताकि लोगों को ट्रेन में ही सूचना मिल सके। लोकल ट्रेनों में ट्रैक्शन मोटर और एक्सेल सिस्टम लगा होता है। ये मशीनें पहिये के आसपास लगी रहती हैं और इनमें पानी घुस जाने के बाद रैक को चलाना मुमकिन नहीं होता है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ए.के.गुप्ता ने बताया कि यदि इन्हें वॉटर प्रुफ किया जाए, तो कुछ सीमा तक पानी बढ़ने पर भी ट्रेन को चलाया जा सकता है। रेलवे इस पर विचार कर रही है।

इमारत हादसा

बंद मोबाइल से मिला जिंदगी का सुराग

मुंबई। डोंगरी के जेजे मार्ग जंक्शन स्थित पाकमोडिया स्ट्रीट में गुरुवार सुबह 8 बजकर 35 मिनट पर हुसैनीवाला इमारत के गिरने से घटनास्थल पर मलबे के बादल छा गए। चारों ओर लोगों की चीख-पुकार मची हुई थी। लोग मदद के लिए गुहार लगा रहे थे। इस अफरातफरी के बीच कुछ ऐसे भी लोग थे, जो मसीहा बनकर सामने आए। उन्हीं में से एक हैं, इब्राहिम कासकर। इब्राहिम कासकर भले ही दाउद इब्राहिम के भाई हैं, लेकिन वे हादसे की खबर सुनते ही घटनास्थल पर सबसे पहले आने वालों में से एक हैं। कासकर व उनकी टीम ने ने पुलिस, दमकल विभाग, एनडीआरएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ राहत व बचाव कार्य में हाथ बंटाया। इमारत के मलबे में दबे एक व्यक्ति को आश्चर्यजनक रूप से बचा लिया गया।

बंद मोबाइल से बचा लिया

सैकड़ों टन भारी मलबे के अंदर दबे अब्दुल लतीफ को उम्मीद भी नहीं थी कि उन्हें बचा लिया जाएगा। अब्दुल लतीफ के परिजन के अनुसार, घटनास्थल पर मलबा निकालते वक्त किसी को एक मोबाइल दिखाई दिया। कॉल करने पर सिम बंद था।

लोगों ने उसमें से सिम निकाल कर अपना सिम लगाया और ऐक्टिवेट किया, फिर जो नंबर स्क्रीन पर दिखाई दिया, उससे न सिर्फ अब्दुल लतीफ को कॉल किया, बल्कि हम लोगों को भी कॉल कर सूचना दी। इसके बाद हम लोग भी बाहर से आए। एनडीआरएफ को लोकेशन पता चलते ही उन्होंने लतीफ को बचा लिया।

भायखला, डोंगरी, जेजे जंक्शन, नल बाजार, चीरा बाजार, मोहम्मद अली रोड समेत तमाम इलाकों में रहने वाले युवाओं के जज्बे देखने लायक थे। नल बाजार निवासी मो. कलीम बताते हैं, 'ऐसी विपदा की घड़ी में एक से बढ़ कर दो होते हैं। प्रशासन के साथ जनता की भी जिम्मेदारी होती है कि वे इन्हें सहयोग करें। हमलोग ट्रैफिक हटाने के कार्य मे लगे हुए हैं।'

मस्जिद में खाने-पीने के इंतजाम

राहत व बचाव कार्य मे जुटे स्थानीय लोग हों, प्रभावित परिवारों के रिश्तेदार हों या पुलिस-प्रशासन के कर्मचारी एवं अधिकारी, सबके लिए घटनास्थल के नजदीक स्थित एक मस्जिद में खाने-पीने, चाय-बिस्किट का मस्जिद प्रबंधन समिति ने इंतजाम किया था। मलबे में दबे घायल लोगों के परिजन ने बताया कि जेजे मार्ग पुलिस और जोन-1 के डीसीपी मनोज कुमार शर्मा लोगों के लिए फरिश्ते बनकर आए। वे आते ही न सिर्फ राहत एवं बचाव कार्य मे लग गए, बल्कि दूसरे विभागों से तालमेल बिठाकर उन्हें जल्द से जल्द घटनास्थल पर बुला लिया। मौके पर ट्रैफिक पुलिस, आग लगने से निपटने के लिए 10 फायर अप्लाइंसेज, क्यूआरटी, 2 रेस्क्यू वैन हॉउस, कोलैप्स वैन, 13 से अधिक एंबुलेंस, 200 एमएफबी अधिकारी, 3 एनडीआरएफ दल और मुंबई पुलिस के साउथ रीजन के अडिशनल सीपी प्रवीण पडवल सहित 250 से अधिक पुलिस कर्मचारी एवं यातायात विभाग के सीटी डीसीपी अशोक दुधे समेत दर्जनों वरिष्ठ अधिकारी मौजद थे।

बारिश थम गई पर कॉल्स अभी भी आ रहे हैं

मुंबई। मूसलाधार बारिश थम गई है, पर मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को बारिश से जुड़े सवालों के कॉल्स अभी भी आ रहे हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मंगलवार और बुधवार को बारिश से जुड़े ढाई हजार से ज्यादा कॉल्स पुलिस कंट्रोल रूम को आए।

गुरुवार को भी यह सिलसिला जारी था। आए कॉल्स में 264 कॉल्स पेड़ गिरने से जुड़े हुए थे, जबकि 164 ट्रैफिक जाम से संबंधित थे।

जिस दिन मूसलाधार बारिश हुई, उस दिन 42 फोन पानी के बढ़ते लेबल को लेकर आए थे उस दिन 90 लोगों ने शार्ट सर्किट को लेकर भी कॉल्स किए थे। पर इन कॉल्स से परे जो कॉल्स आए, वो ज्यादातर महिलाओं द्वारा किए गए थे, जो अपने पति या बेटे, बेटी, बहू के मोबाइल फोन बंद होने या नेटवर्क न मिलने की वजह से परेशान हो उठी थीं और पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर जानना चाहती थीं कि उनके परिजन आखिरी वक्त यहां-वहां थे, जरा पता कर बताइए कि पानी के बीच वे सकुशल हैं या नहीं। फोन कॉल्स के अलावा मुंबई पुलिस के ट्विटर हैंडल से भी आम लोगों ने पुलिस की बहुत मदद ली। पुलिस रेस्पांस पर लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से पुलिस अधिकारी काफी खुश व संतुष्ट हैं। चूंकि मॉनसून अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए बारिश को लेकर पुलिस अभी भी अलर्ट पर है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

'ब्लू व्हेल' के खिलाफ आई 'पिंक व्हेल'

मुंबई। शहर के एक 14 वर्षीय स्टूडेंट ने कुछ दिनों पहले रूस में पॉपुलर 'ब्लू व्हेल' गेम खेलते हुए बिल्डिंग से कूद सुसाइड कर लिया था। इसके बाद पूरे देश में इसके खिलाफ आवाज उठने लगी थी। इस बीच गुरुवार को रुसी पुलिस ने इस गेम की मास्टरमाइंड एक 17 वर्षीय लड़की को अरेस्ट किया है। 130 से ज्यादा सुसाइड के बाद बदनाम हुए इस गेम के खिलाफ यूजर्स को चैलेंज देने आया है, पिंक व्हेल गेम। ये गेम ब्लू व्हेल गेम से बिल्कुल अलग है और इसमें 'ब्लू व्हेल' गेम के खिलाफ बनाया गया है। इसे ब्लू व्हेल गेम से अलग मोहब्बत का पैगाम देने के लिए बनाया गया है। 'पिंक व्हेल' में भी यूजर्स को चैलेंज दिए जाते हैं। हालांकि ये चैलेंज खुद को या किसी और को चोट पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि प्यार फैलाने वाले होते हैं। इस गेम को ब्राजील में बनाया गया था। यह इस वक्त इंटरनेट पर खासा पॉपुलर है। फेसबुक पर 'पिंक व्हेल' गेम के 3 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इंस्टाग्राम पर इस गेम को फॉलो करने वालों की संख्या 45000 हैं। पिंक व्हेल की ऑफिशियल वेबसाइट पर बताया गया है कि इस गेम को बनाने का मकसद ये है कि, इंटरनेट पर सिर्फ नफरत ही नहीं प्यार भी फैलाया जा सकता है।

देश में बढ़ रहे हैं मौत के मामले : ब्लू व्हेल गेम खेलते हुए बुधवार को तमिलनाडु में एक स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। तमिलनाडु में हुई मौत का यह पहला मामला नहीं है। पिछले महीने उत्तर प्रदेश, मुंबई और केरल से कम से कम इस तरह का तीन मामला सामने आ चुका है। ब्लू व्हेल के चक्कर में पूरी दुनिया में 100 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। अधिकतर बच्चे और किशोर इसकी चपेट में आ रहे हैं।

डॉ अमरापुरकर की मौत पर जनहित याचिका दायर

बीएमसी पर कार्रवाई की मांग

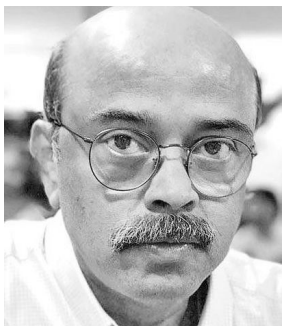

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय में बीएमसी के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें कहा गया है कि बीएमसी की लापरवाही के कारण ही डॉ अमरापुरकर की मौत मैनहोल में गिरने से हुई। याचिका में कहा गया कि बीएमसी को पता था कि शहर की सड़कों पर पानी भरा हुआ है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को भारी बारिश के बाद गायब हो गए डॉ दीपक अमरापुरकर के शव को सेंट्रल मुंबई के वर्ली में एक नाले से बरामद किया गया। अमरापुरकर बॉम्बे अस्पताल में गैस्ट्रोइंटेरोलॉजिस्ट थे। फेडरेशन ऑफ रीटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन मुंबई के द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया कि बीएमसी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि ऐसी घटना दोहरायी ना जा सके। साथ ही अमरापुरकर की मौत को अदालत के संज्ञान में लाने की अपील की गई। अधिवक्ता आशीष मेहता द्वारा दायर की गई इस याचिका में कहा गया कि मैनहोल खुला होने और किसी भी प्रकार के बैरीकेड ना लगे होने के कारण ये दुर्घटना हुई। साथ ही वहां किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगा था जो जनता के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है और यही डॉ अमरापुरकर की मौत का भी कारण बना। न्यायालय से आग्रह किया गया है कि पुलिस, आईपीसी की धारा 304-ए के तहत बीएमसी के खिलाफ आरोपपत्र तैयार करें। साथ ही मुख्यमंत्री से लापरवाही के लिए जिम्मेदार बीएमसी अधिकारियों की पहचान करने का भी आग्रह किया गया है। इसके अलावा शहर के सभी मैनहोल की जांच करने और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नीति बनाने का अनुरोध किया गया। बता दें कि, शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश मंजुला चेलूर की अगुवाई वाली पीठ इस याचिका पर चर्चा करेंगे।

मध्य रेल मुख्यालय मुंबई छशिमट में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

मुंबई। मध्य रेल मुख्यालय मुंबई छशिमट में दिनांक 01.09.2017 को महाप्रबंधक डी.के. शर्मा द्वारा हिंदी पखवाड़े का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय के सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। महाप्रबंधक डी.के.शर्मा ने अपने संबोधन में हिंदी पखवाड़े की सफलता के लिए सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र सरकार के कार्मिक होने के नाते हम सभी का यह दायित्व है कि हम अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करें। उन्होंने कहा कि प्रेरणा, प्रोत्साहन और सहयोग के आधार पर हम हिंदी को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं।

बेटियों को मारने वाले पिता की सजा बरकरार : हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने समुद्र में डुबा कर अपनी दो नाबालिग बेटियों की हत्या करनेवाले आरोपी पिता की आजीवन कारावास सजा को बरकरार रखा है। आरोपी महेश सुरती ने पहले अपनी आठ साल की बेटी दिव्या और पांच साल की बेटी निशा को समुद्र में डूबाने के बाद उन्हें वहीं रेत में दफन कर दिया। निचली अदालत ने सुरती को अपनी बेटियों की हत्या के लिए दोषी ठहराया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सुरती ने हाईकोर्ट में अपील की थी। जिसे न्यायमूर्ति वीके ताहिलरमानी व न्यायमूर्ति शालिनी फणसालकर जोशी की खंडपीठ ने खारिज करते हुए उसकी सजा को बरकरार रखा। गौरतलब है कि मई 2003 में सुरती अपनी पत्नी व तीन बेटियों के साथ केंद्र शासित दमन स्थित महालक्ष्मी मंदिर के मेले में घूमने के लिए गया था। वहां पहुंचने के बाद वह दो बेटियों को लेकर दूसरी जगह चला गया। सुरती की पत्नी अपनी तीसरी बेटी के साथ वहां इंतजार कर रही थी। काफी समय बाद जब सुरती नहीं आया तो उसकी पत्नी अपनी तीसरी बेटी के साथ घर चली गई। सुरती दूसरे दिन शाम को घर पहुंचा। सुरती की पत्नी ने जब बेटियों के बारे में पूछा तो वह गोल-मोल

जवाब देने लगा। फिर थोड़ी देर बाद बोला कि दोनों बेटियों की दुर्घटना में मौत हो गई। सुरती ने पत्नी के साथ पुलिस स्टेशन जाकर अपनी बेटियों के गायब होने की शिकायत भी दर्ज कराई। इस बीच पुलिस ने सुरती की दोनों बेटियों का शव समुद्र किनारे से बरामद कर लिया। संदेह के आधार पर पुलिस ने सुरती को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ कि तो उसने अपना अपराध स्वीकार किया।

सारे सबूत आरोपी के खिलाफ

दमन की अदालत में सुरती ने खुद को बेगुनाह बताया था। लेकिन अभियोजन पक्ष की दलीलों को सुनने व मामले से जुड़े सबूतों पर गौर करने के बाद न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी पर लगाए गए सारे आरोप साबित किए गए हैं। क्योंकि पुलिस जांच दशार्ती है कि सुरती वह आखरी आदमी था जो अपनी बेटियों के साथ था। मौके पर मौजूद लोगों ने भी सुरती को अपनी बेटियों के साथ देखा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी दशार्ती है कि लड़कियों की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा घटनास्थल से बरामद चीजें भी आरोपी की भूमिका की ओर इशारा करती हैं। इसलिए हम उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाते है। हाईकोर्ट में सुरती के वकील ने कहा कि मेरे मुवक्किल के खिलाफ पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है। इसके अलावा हत्या को लेकर कोई उद्देश्य भी सामने नहीं आया है। इसलिए मेरे मुवक्किल को दी गई सजा को रद्द किया जाए। किंतु खंडपीठ ने इस दलील को अस्वीकार करते हुए सजा को बरकरार रखा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

बारिश में ड्राइवर ने बचाई जान, अनोखे अंदाज में लड़की ने किया थैंक्स

मुंबई। मंगलवार को मुंबई में हुई बारिश के बाद शहर में जगह-जगह इसकी तबाही के निशान देखने को मिल रहे हैं। अबतक 15 से ज्यादा लोग अपनी जान गवां चुके हैं और कई अभी भी लापता हैं। इस बारिश में हजारों लोग सड़कों पर भूखे-प्यासे फंसे रहे। इस दौरान मुंबई की जिंदादिली फिर एक बार देखने को मिली। यहां एक कैब ड्राइवर ने अपने टाइम और पैसे की परवाह किए बिना एक लड़की की हेल्प की और उसे सही सलामत उसके घर पहुंचाया। अब यह लड़की ड्राइवर की हेल्प करने के लिए उसके एक रिश्तेदार को नौकरी दिलाना चाहती है। मुंबई की रहने वाली शिखा चावला ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा है, 29 अगस्त को शाम तीन बजे वे ऑफिस से घर जाने के लिए निकली। बारिश में भीगते हुए उन्होंने बहुत ट्राई किया लेकिन ओला/ऊबर कैब और ऑटोवाला कोई भी उन्हें घर ले जाने के लिए तैयार नहीं हुआ। उन्हें परेशान देख एक ड्राइवर उनके पास आया और उन्हें घर छोड़ने की पेशकश की। कार की अगली सीट पर एक शख्स बैठा था। इसके बावजूद शिखा कार में बैठ गईं। बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भरा हुआ था और चारों ओर भीषण जाम था। इस वजह से शिखा को घर पहुंचने में 5 घंटे लग गए। ट्रैफिक में फंसने की जानकारी मिलने के बाद शिखा के परिजन परेशान लगातार उन्हें फोन कर रहे थे। इसपर ड्राइवर ने उनसे कहा कि, मैडम, घरवालों को बता दो आप ठीक-ठाक पहुंच जाओगी। मैं आपको किसी भी हाल में घर छोड़ कर रहूंगा। आप गाड़ी में सबसे सुरक्षित हो। इसके बाद ड्राइवर शिखा को लेकर शाम 8:30 बजे उनके घर अंधेरी पहुंचा और उन्हें सही सलामत छोड़ वापस अपने घर गया।

अब ड्राइवर की हेल्प करना चाहती हैं शिखा

सफर के दौरान शिखा को पता चला कि, उन्हें सही सलामत घर छोड़ने वाला ड्राइवर बांद्रा का रहने वाला है और उनके बगल में बैठा शख्स उनका रिलेटिव था। वह एक कंप्यूटर टीचर है और गांव से नौकरी की तलाश में मुंबई आया है। ड्राइवर को शुक्रिया अदा करने के लिए शिखा चाहती हैं कि उनके रिश्तेदार को एक अच्छी नौकरी मिल जाए। उन्होंने अपनी कहानी के साथ ड्राइवर के रिश्तेदार की डिटेल और फोन नंबर फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लोगों से उनकी हेल्प की अपील की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बड़े बकाएदारों पर सख्ती

बैंकों का डूबता कर्ज इस वक्त भारतीय अर्थव्यवस्था की बहुत बड़ी समस्या है। गुजरे वर्षों में सरकारों ने इसके समाधान की प्रभावी कोशिशें नहीं की, नतीजतन चुनौती बढ़ती चली गई। इसकी वजह से बैंकों के पास कर्ज देने के लिए उपलब्ध धन सीमित हुआ। साथ ही बैंक अधिकारी कर्ज मंजूर करने में अतिरिक्त सतर्कता बरतने लगे। दूसरी तरफ अपना पुराना कर्ज नहीं चुका पा रही कंपनियों से किसी नए निवेश की आशा करना बेकार ही है। इसीलिए अर्थशास्त्री काफी समय से जोर दे रहे हैं कि सरकार को इस मसले को हल करने की दिशा में कारगर कदम उठाना चाहिए। संतोष की बात है कि आखिरकार केंद्र सरकार ने ऐसा करने का दृढ़ निश्चय दिखाया है। सबसे पहले उसने नया दिवालिया कानून पारित कराया। इससे कर्ज चुकाने में अक्षम कंपनियों को मौका मिला कि अपनी जायदाद बेचकर या किसी दूसरे मालिक को सौंपकर वे देनदारी से पीछा छुड़ा सकती हैं। अब सरकार ने साफ किया है कि इस अवसर के बावजूद जो निजी कंपनियां इसका लाभ नहीं उठा रही हैं, उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाएगा। गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली दो-टूक कहा कि कर्जदार निजी कंपनियां या तो बैंकों का ऋण चुकाएं या फिर अपना कारोबार किसी और के नियंत्रण में सौंप दें। वित्त मंत्री ने बैंकों के पास धन की कमी की समस्या का भी जिक्र किया। कहा कि सरकार उन्हें वित्त मुहैया कराने को तैयार है, लेकिन फिलहाल प्राथमिकता है डूबते कर्ज की समस्या का समाधान निकालना। तो अब सरकार ने कर्जदार कंपनियों को चेतावनी जारी कर दी है। भारतीय रिजर्व बैंक पहले से ही अन्य सरकारी बैंकों को दिवालिया कानून का सहारा लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उसने सबसे पहले उन 12 बड़ी कंपनियों पर कार्रवाई शुरू करने को कहा है, जिन पर लगभग दो लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह समस्याग्रस्त हुए कुल कर्ज का चौथाई हिस्सा है। इनके अलावा 26 और डिफॉल्टर कंपनियों की सूची रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को भेजी है। कहा है कि इन डिफॉल्टर्स से कर्ज वसूली की प्रक्रिया शुरू की जाए। ये काम 13 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाए। रिजर्व बैंक ने कहा है कि उस रोज तक कर्ज वसूली पूरी नहीं हो पाती है, तो फिर डिफॉल्टर कंपनियों के खिलाफ दिवालिया कानून के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में केस दर्ज कराया जाए। दिवालिया कानून के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल एक पंचाट प्राधिकरण की तरह काम करता है। मतलब यह कि कर्ज वसूली अब केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। अर्थव्यवस्था को स्वच्छ और गतिमान बनाने की दिशा में उसका यह एक और बड़ा कदम है। नोटबंदी के परिणामस्वरूप पहले बाहर रहा अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा टैक्स दायरे में आ चुका है। आशा की जानी चाहिए कि जल्द ही डूबते कर्ज का मसला भी हल हो जाएगा। इससे देश को खुशहाली की ओर ले जाने की एनडीए सरकार मुहिम को नया बल प्राप्त होगा।

अफगान पॉलिसी से नए युग का आरंभ

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के सात महीने बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान और दक्षिण एशिया पर अपनी सरकार की नीति जारी की। यदि उनका प्रशासन इसे पूर्ण रूप से लागू करने में सफल रहा तो इससे न सिर्फ अफगानिस्तान में स्थायित्व का नया युग आरंभ होगा, बल्कि अमेरिका की पारंपरिक नीति में ऐतिहासिक बदलाव भी दिखेगा। जहां पाकिस्तान पर इस नीति का व्यापक प्रभाव पड़ना तय है वहीं भारत के लिए भी यह गहरे निहितार्थ लिए हुए है। अफगानिस्तान में शांति के लिए अमेरिका पिछले 15 वर्षों से ज्यादा से युद्धरत है जो उसकी सबसे लंबी लड़ाइयों में से एक है। अमेरिका अफगान सरकार और तालिबान के साथ बातचीत के जरिये भी अफगान समस्या का राजनीतिक समाधान निकालने को प्राथमिकता देता रहा है, लेकिन तालिबान की डोर अभी भी पाकिस्तान के हाथों में है। वह उसे 20 वर्षों से अधिक समय से खाद-पानी दे रहा है। 2001 में एक हद तक उसकी कमर टूट गई थी तब भी पाकिस्तान ने उसे फलने-फूलने के लिए आश्रय दिया। उसने अमेरिकी रोक के बावजूद तालिबान को समर्थन देना जारी रखा। दुर्भाग्य से इसके बाद भी अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ कभी कोई कदम नहीं उठाया। उलटे उसने तालिबान के जरिये पाकिस्तान को न सिर्फ अफगानिस्तान में घुसने दिया, बल्कि वहां भारत की बढ़ती भूमिका को लेकर उसकी कटुतापूर्ण और निराधार बातों पर ध्यान भी दिया। पाकिस्तान अफगानिस्तान से भारत के प्रभाव को हमेशा के लिए मिटा देना चाहता है। कुछ वर्ष पूर्व तक पाकिस्तानी चिंताओं में दुबला हुआ जा रहा अमेरिका भी वहां भारत की मौजूदगी का अनिच्छुक था, लेकिन ट्रंप ने तालिबान के प्रति अमेरिकी प्राथमिकताएं बदल दीं। उनके नेतृत्व में अमेरिका अब चाहता है कि अफगानिस्तान में भारत अपनी भूमिका खासकर आर्थिक क्षेत्र में बढ़ाए।

ट्रंप ने राजनीतिक विकल्पों को भी पूरी तरह बंद नहीं किया, लेकिन सीमित जरूर कर दिया है, क्योंकि उन्होंने तालिबान को अब तक आतंकी संगठन घोषित नहीं किया है। जाहिर है कि उनकी पहली प्राथमिकता तालिबान को सैन्य कार्रवाई के जरिये कुचलना है ताकि यदि कभी राजनीतिक समझौते की नौबत आए तो उनका सामना कमजोर तालिबान से हो। इसके लिए अमेरिका को पाकिस्तान में तालिबान के सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करना होगा। अमेरिका ने पाकिस्तान को यह सख्त चेतावनी दी तो है कि यदि उसने तालिबान को समर्थन देना बंद नहीं किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा, लेकिन अभी यह तय नहीं कि वह अपने इस रवैये पर कायम रहता है या नहीं, क्योंकि पाकिस्तान को धमकाने के बाद उसके सुर में कुछ नरमी भी आई है। ट्रंप की नई नीति पर पाकिस्तान की ओर से उम्मीद के अनुरूप कड़ी प्रतिक्रिया आई। पाक प्रधानमंत्री शाहिद खाकन अब्बासी ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई जिसमें उनके कैबिनेट मंत्री सहित सेना प्रमुख और अन्य रक्षा अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद बयान में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान के योगदान और बलिदान का बढ़ा-चढ़ाकर जिक्र किया गया और अफगान समस्या के लिए स्वयं स्थानीय सरकार को जिम्मेदार बताया। साथ ही पाकिस्तान ने अफगानिस्तान समस्या का राजनीतिक समाधान निकालने की मांग की। उसने दावा भी किया गया कि वह खुद पूर्वी अफगानिस्तान से संचालित पाक विरोधी आतंकी गतिविधियों

का भुक्तभोगी है। हैरानी नहीं कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान में भारत की भूमिका के विस्तार की बात नागवार गुजरी है। यही वजह है कि उसने अपने बयान में पड़ोसी देशों से अपने खराब रिश्तों के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वह आतंकवाद का पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है और पूर्व से लेकर पश्चिम तक पाकिस्तान को अस्थिर करना चाह रहा है। हमेशा की तरह उसने जम्मू-कश्मीर पर घड़ियाली आंसू बहाते हुए वहां सक्रिय भारत विरोधी तत्वों को समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। फिर पाकिस्तानी संसद ने ट्रंप के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया। यहां भारत के लिए दो बातें महत्वपूर्ण हैं। पहली, भारत ने अफगान सरकार और वहां के लोगों के साथ द्विपक्षीय रिश्ते निभाने के लिए जो स्वतंत्र नीति अपनाई है उसे जारी रखना चाहिए। अफगानिस्तान के अनुरोध पर भारत उसे आर्थिक मदद दे रहा है और सड़क, बांध, बिजली से जुड़ी परियोजनाओं के निर्माण का दायित्व बखूबी निभा रहा है। भारत शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सक्रियता से काम कर रहा है। सुरक्षा क्षेत्र में उसने अफगानिस्तान के सैनिकों को गहन प्रशिक्षण के साथ हथियार भी मुहैया कराए हैं। भारत को अपना यह अभियान जारी रखना चाहिए। अच्छा है कि अमेरिका को अब भारत की अहमियत का अहसास हुआ है। दूसरी, भारत अमेरिका को इसके लिए राजी करे कि वह अपनी नई नीति हर हाल में लागू करे ताकि तालिबान की कमर तोड़ी जा सके।

अफगानिस्तान में शांति के लिए पाकिस्तान पर आर्थिक, कूटनीतिक और यहां तक कि सैन्य दबाव भी डाला जाना चाहिए। तालिबान और उसके रहनुमा बने पाकिस्तान को यह अहसास दिलाना जरूरी है कि वह बंदूक के बल पर यह लड़ाई नहीं जीत सकता। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि अमेरिकी सेना की जब तक जरूरत होगी तब तक अफगानिस्तान में मौजूद रहेगी और आवश्यकता के अनुरूप कार्रवाई भी करेगी। यदि अमेरिका अब भी पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता तो उसकी विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। हैरत नहीं कि चीन पाकिस्तान के बचाव में उतरा है। उसने दावा किया है कि पाकिस्तान आतंकवाद का खुद सबसे बड़ा शिकार है। चीन ने हमेशा तालिबान का पक्ष लिया है। रूस ने भी ट्रंप की नीति की निंदा की है। रूस पिछले कई वर्षों से तालिबान और पाकिस्तान के करीब जाता दिख रहा है। उसने तमाम रियायतें देकर ईरान के साथ भी नजदीकी कायम कर ली है। रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अफगानिस्तान के संदर्भ में पाकिस्तान एक प्रमुख क्षेत्रीय ताकत है। उस पर ज्यादा दबाव क्षेत्रीय सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चीन, रूस और तुर्की से मिले समर्थन को लपकने में देरी नहीं की। ऐसा कर वह अमेरिकी दबाव को कम करना चाहते हैं। 1990 के दशक में जब पाकिस्तान तालिबान के समर्थन में आया था तब अमेरिका को लगा था कि दोनों की जोड़ी अफगानिस्तान में स्थिरता लगाएगी, लेकिन ये दोनों वहां अपना प्रभुत्व बढ़ाने लगे। लिहाजा तालिबान को उखाड़ फेंकने के लिए रूस, ईरान और भारत अफगानिस्तान के कद्दावर नेता अहमद शाह मसूद को मदद देने लगे, लेकिन 9/11 की घटना के दो दिन पूर्व आतंकवादियों ने मसूद की हत्या कर दी। अब अंतरराष्ट्रीय समीकरणों में एक बार फिर तब्दीली आई है। इसका फायदा उठाने के लिए भारत को समय रहते चतुराई भरी कूटनीतिक चालें चलनी होंगी।

सतर्कता जरूरी

डेरा सच्चा सौदा सिरसा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को साध्वी यौन शोषण मामले में बीस साल की सजा सुनाए जाने के बाद जिस तरह से पंजाब में माहौल शांत रहा उससे लग रहा था कि अब डर के बादल छंट गए हैं। मगर ऐसा पूरी तरह नहीं है। डेरा मुखी को दोषी ठहराए जाने के बाद पंचकूला, सिरसा व पंजाब में कुछ जगह हुई ङ्घषहसा व आगजनी की जांच की परतें अब खुल रही हैं तो कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। डेरा मुखी के जेल जाने से पहले ही उनके अनेक समर्थक गिरफ्तार हो चुके थे और यह सिलसिला अब भी जारी है। इनमें कुछ की गिरफ्तारी देशद्रोह के मामले में हो रही है। क्योंकि इन्होंने डेरा मुखी की गिरफ्तारी पर ङ्घषहदुस्तान को ही मिटा देने की बात की थी, जिसका वीडियो सामने आने पर इन्हें पकड़ लिया गया है। इनमें सच कहूं अखबार का एक पत्रकार भी है। यही नहीं, बठिंडा में लोक निर्माण विभाग के एक एसडीओ को भी ङ्घषहसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और गिरफ्तारियां होंगी। अभी पंचकूला में मारे गए पंजाब के डेरा प्रेमियों के भोग तक तो स्थिति पर खास तौर पर नजर रखने की जरूरत है।

माहौल अभी बेशक ऊपर से बिल्कुल सामान्य लग रहा है लेकिन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर राज्य के संवेदनशील इलाकों में दो सप्ताह और तक अतिरिक्त सुरक्षा बलों व सेना की तैनाती का फैसला लिया गया है। जाहिर है कि सरकार किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं रखना चाहती। डेरे के नाम चर्चा घरों की तलाशी व और मामलों की जांच अभी हो रही है और कई चीजें सामने आने की संभावना है। अभी यह भी आशंका है कि मौड़ मंडी में हुए धमाके में इस्तेमाल रसायन वही था जो पंचकूला में फायर ब्रिगेड की गाड़ी में मिला है। इसकी जांच चल रही है और अगर वाकई ऐसा है तो फिर एक नई कड़ी इस सारे विवाद में जुड़ जाएगी। कुल मिलाकर यह नहीं कहा जा सकता कि इस डेरा प्रकरण को लेकर पंजाब में स्थिति बिल्कुल सामान्य हो गई है। सतर्कता बरतने की बेहद जरूरत है। जिस तरह पहले पंजाब सरकार ने हालात ज्यादा नहीं बिगडने दिए, उसी तरह आगे भी सूझबूझ से काम लिया जाएगा, ऐसी अपेक्षा की जाती है। साथ ही अफवाहों से भी बचना होगा। ऐसे तत्वों पर नजर रखनी होगी जो माहौल को खराब करने की कुचेष्टा पाले हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
2 सितंबर, 2017

05

नेता ने खुलेआम पकड़ा लड़की का हाथ

सहेलियों को बुलाकर की धुनाई

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली में एक राजनीतिक संगठन से जुड़े नेता की कुछ लड़कियों ने लात-घूंसों और चप्पलों से पिटाई कर दी। नेता पर आरोप है की वह मेडिकल कॉलेज की एक गर्ल स्टूडेंट के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। इससे परेशान लड़की ने अपनी फ्रेंड्स को बुलाया और नेता की पिटाई करने लगी। वे आरोपी को पीटते हुए पुलिस स्टेशन ले गईं, जहां नेता ने लिखित माफीनामा दिया और पुलिसवालों ने उन्हें जाने दिया। जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम शहर के मिराज मेडिकल कॉलेज के बाहर की है। इसका वीडियो अब सामने आया है। आरोप के मुताबिक, एक दलित संगठन से जुड़े आरोपी सतीश मोहिते ने कॉलेज के बाहर एक मेडिकल स्टूडेंट का हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा। लड़की ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकी भी दी। आरोपी लड़की को अपने साथ कार में ले जाना चाहता था। इसके बाद गर्ल स्टूडेंट ने आवाज लगाकर अपनी फ्रेंड्स को बुलाया। इसके बाद शुरू हुई नेता जी की पिटाई। लड़कियों ने लात-घूंसे और चप्पलों से आरोपी को जमकर पीटा। हंगामा देख भीड़ भी वहां पहुंची और उसने भी जमकर नेता पर अपने हाथ साफ किए।

पैरों पर गिर मांगने लगा माफी : भीड़ बढ़ती देख नेता ने माफी मांगना शुरू कर दिया। लेकिन लड़की नहीं रुकी। वे नेता को पीटते हुए पुलिस स्टेशन तक ले गई। जहां नेता उनके पैरों पर गिर पड़ा और माफी मांगने लगा। इसके बाद पुलिस ने उससे लिखित माफीनामा लिया और उसके खिलाफ बिना कोई केस दर्ज किये उसे जाने दिया। बता दें कि आपराधिक छवि के आरोपी सतीश मोहिते पर रेप और छेड़छाड़ के मामले पहले से चल रहे हैं। पुलिस का कहना है कि, लड़कियों ने नेता के खिलाफ कोई शिकायत नहीं दी इसलिए उसे जाने दिया गया।

60 साल के बाबा ने पैसों के लिए की थी मां-बेटी की हत्या, मिली उम्र कैद की सजा

पुणे। चार साल पहले एक भोंदू बाबा ने महिला और उसकी बेटी की हत्या की थी। इस मामले में पुणे सेशन कोर्ट ने उसे दोहरी उम्रकैद और दो हजार जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ने की रकम न चुकाने पर एख साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस भोंदू बाबा ने पैसों के विवाद में महिला की हत्या की थी और फरार हो गया था। महिला के पिता द्वारा शिकायत करने के बाद बाबा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। गड्डामेदी कनक राजू शंकर गौड़ा उर्फ रामदास महाराज उर्फ दत्तगुरू महाराज (60) मूल रुप से आंध्र प्रदेश का रहनेवाला था। पांच साल पहले पुणे के हिंजवडी के पास माण गांव रह रहा था। धार्मिक विधी कर वह अपना गुजारा करता था, यहां के लोगों में वह काफी फेसम था। अप्रैल 2013 में उसने पैसों के विवाद में उसने एक महिला और उसकी डेढ़ साल की बच्ची की हत्या की थी और फरार हो गया था।

क्या है पूरा मामला ?

जगन्नाथ काले अपने बेटी सुभद्रा चव्हाण (35) के साथ हिंजवडी के माण गांव रहते थे। बाबा की उनसे पुरानी पहचान थी। बाबा ने उनसे कहा कि बेटी को ईंट भटटे पर काम पर भेजने की बजाय उनके यहां घरेलू काम करने भेजे। सुभद्रा बाबा के घर अपनी डेढ़ साल की बच्ची के साथ रहने लगी और घर के काम भी करने लगी। इसी दौरान बाबा ने सुभद्रा से कुछ रुपए उधार मांगे। सुभद्रा ने कहा कि, उसके पास पैसे नहीं है। लेकिन बाबा ने जिद की तो उसने अपनी बहन के गहने बाबा को दे दिए । उसने गहने गिरवी रख पैसे जुटाए। लेकिन कुछ दिन बाद सुभद्रा ने कहा कि उसके गहने बहन को लौटने है तो वह देने में उसने आनाकानी की। इसी बीच एक दिन दोनों के बीच विवाद हुआ। बाबा ने गुस्से में सुभद्रा और उसकी डेढ़ साल की बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। दो दिन बाद बाबा के घर से बदबू आने लगी तो पड़ोसियों ने देखा की सुभद्रा और उसकी बेटी का लाश अंदर पड़ी हुई थी। हिंजवडी पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उसे 11 मई 2013 को भोपाल से गिरफ्तार किया।

सांताक्रुज तथा गोरेगाँव के बीच अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर जम्बो ब्लॉक

मुंबई। ट्रैक सिगनलिंग तथा ओवर हेड उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार, 3 सितम्बर, 2017 को सांताक्रुज तथा गोरेगाँव स्टेशनों के बीच 10.35 बजे से 15.35 बजे तक अप तथा डाउन धीमी लाइनों पर जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान धीमी लाइन की सभी ट्रेनों को सांताक्रुज तथा गोरेगाँव स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जायेगा। ब्लॉक के कारण धीमी लाइन की सभी ट्रेनों को विले पार्ले स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 5/6 की फास्ट लाइनों पर डबल हॉल्ट दिया जायेगा। राम मंदिर स्टेशन के फास्ट लाइनों पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण ट्रेनें नहीं ठहरेंगी। ब्लॉक के कारण कुछ अप तथा डाउन ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी सभी स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्री कृपया ब्लॉक को ध्यान में रखते हुए यात्रा करें।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कहां करें कुबार्नी

टीचर्स एसोसिएशन ऑफ मदारिस अरबिया के महामंत्री दीवान साहब जमां ने बताया कि मुसलमानों का एक बड़ा तबका ऐसा है जो बकरीद पर बकरे की कुबार्नी देने के बजाय भैंस जैसे बड़े जानवरों की कुबार्नी देता है। उनकी सुविधा के लिए मदरसे अपने यहां हिस्सों की बुकिंग करते हैं और बड़े जानवरों की कुबार्नी कराते हैं। उन्होंने बताया कि बड़े मदरसे तो अपने परिसर में कुबार्नी करा लेते हैं लेकिन अधिकतर संख्या छोटे मदरसों की है और वे कुबार्नी के लिए लोकल सरकारी बूचड़खानों पर निर्भर होते हैं। चूंकि इस वक्त 90 फीसदी से अधिक बूचड़खाने बंद हैं, लिहाजा अब कुबार्नी को लेकर मुश्किल खड़ी हो गई है। दारुल उलूम फरंग महल के प्रमुख मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि इस बार बड़े जानवरों की कुबार्नी कहां की जाए, इसे लेकर काफी भ्रम की स्थिति है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह कम से कम बकरीद के दिन बूचड़खाने खोल देती, ताकि हजारों मदरसों और लाखों लोगों को दुश्वारी नहीं होती। साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था होती तो एक दिन बूचड़खाना खोल देने में कोई हर्ज भी नहीं था। मौलाना ने कहा कि बकरीद पर कुबार्नी को लेकर बनी पसोपेश के हालात के मद्देनजर उन्होंने पिछले सोमवार को प्रदेश के पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह से मुलाकात करके उन्हें स्थिति से अवगत कराया था। तब सिंह ने कहा था कि कुबार्नी एक धार्मिक अनुष्ठान है और इस सिलसिले में जिस तरह से पहले चीजें होती थीं, ठीक वैसी ही होंगी। बस प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी ना हो और पशु वध का सार्वजनिक प्रदर्शन ना किया जाए।

पुलिस बस पर आतंकी...

आतंकी हमले में 8 पुलिसकर्मियों के घायल होने और 1 जवान के शहीद होने की खबर है। घायल पुलिसकर्मियों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि पुलिस बस पर यह हमला लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के आतंकवादियों ने किया है। सूचना मिलते ही इलाके में यातायात रोक दिया गया है। गोलियों की आवाज के चलते इलाके में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया है। बता दें कि श्रीनगर का पंथा चौक भीड़भाड़ वाला इलाका है। इलाके को घेर लिया गया है। पुलिस दस्ते पर हमले के बाद तुरंत पास के कैंपों से सेना और पुलिस के जवानों को मौके पर बुलाया गया है। खबरों की मानें तो आतंकवादी आत्मघाती हमले के रूप में इसे अंजाम देने की फिराक में थे। चौक के आसपास कई ऐसी इमारतें हैं जहां आतंकवादियों के छुपे होने की संभावना बताई जा रही है।

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर...

कपिल शर्मा से फ्लाइट में हुई लड़ाई के बाद सुनील ने कपिल का शो छोड़ दिया था। उसके बाद अली असगर, चंदन प्रभाकर, सुगंधा मिश्रा ने भी शो को अलविदा कह दिया था। हालांकि बाद में चंदन शो में वापस आ गए। कपिल का शो छोड़ने के बाद सुनील लाइव शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और टीवी शोज में स्पेशल अपीयरेंस करते नजर आते हैं। जब सुनील से पूछा गया कि वो कब शो लेकर आ रहे हैं। इस पर सुनील ने कहा कि फिलहाल वो प्लेटलेट्स बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।

मोदी सरकार में होगा बड़ा फेरबदल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल विस्तार की कवायद अंतिम दौर में पहुंच गई है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए पी.एम. मोदी अपने मंत्रिमंडल का विस्तार 2 सितम्बर की शाम या 3 सितम्बर की सुबह कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने सरकार में होने वाले फेरबदल को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। वहीं इसी बीच पीएम मोदी अपने कई मंत्रियों के कामकाज से काफी खुश हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि इन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

इन्हें मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, पीयूष गोयल और धर्मेंद्र प्रधान को लेकर अच्छी खबर है। सूत्रों के मुताबिक इन तीनों का मोदी कैबिनेट में और कद बढ़ सकता है। फिलहाल जावड़ेकर के पास मानव संसाधन मंत्रालय, धर्मेंद्र प्रधान के पास पेट्रोलियम मंत्रालय और पीयूष गोयल के पास ऊर्जा मंत्रालय का जिम्मा है। पीएम इन तीनों मंत्रियों के काम से संतुष्ट हैं और इन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

जेटली ने दिए संकेत, ज्यादा दिन नहीं रहूंगा रक्षा मंत्री

अरुण जेटली वित्त मंत्रालय के साथ रक्षा मंत्रालय भी संभाल रहे हैं जबकि डॉक्टर हर्षवर्धन और स्मृति ईरानी के पास भी दो-दो अहम मंत्रालय हैं। ऐसे में पीएम मोदी और शाह की नजर कुछ ऐसे नए चेहरों पर हैं, जिन्हें बड़ी जिम्मेदारी के साथ कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वहीं जेटली ने भी गुरुवार को संकेत दिया कि वे ज्यादा दिन तक रक्षा मंत्री नहीं रहेंगे।

सुरेश प्रभु की हो सकती है छुट्टी

रेल मंत्री सुरेश प्रभु पर भी पीएम मोदी बड़ा फैसला ले सकते हैं। एक महीने

में चार बड़े रेल हादसे हो गए। प्रभु ने खुद पीएम से मुलाकात करके हादसों की जिम्मेदारी ली थी, हालांकि पीएम ने उन्हें इंतजार करने को कहा था।

इन मंत्रियों पर गिरी गाज

कौशल विकास मंत्री राजीव प्रताप रूडी और हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कल अपना इस्तीफा दे दिया जबकि उमा भारती, संजीव बाल्यान, कलराज मिश्र, महेंद्र नाथ पांडेय इस्तीफे देने की कतार में हैं, यानी इन्होंने इस्तीफे की पेशकश कर दी है, और पूरी संभावना है कि इनका भी इस्तीफा मंजूर कर लिया जाएगा। माना जा रहा है कि उमा भारती ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफे की पेशकश की है। गौरतलब है कि मोदी सरकार के कार्यकाल का यह तीसरा मंत्रिमंडल फेरबदल है।

बकरीद पर विशेष

...अल्ला को प्यारी है कुर्बानी

इस्लाम धर्म में साल में दो ईद मनाई जाती है। पहली ईद होती है ईद-उल-फितर और दूसरी होती है ईद-उल-जुहा। कल(शनिवार) को भारत सहित पूरे विश्व में फैले मुस्लिम समुदाय के लोग ईद-उल-जुहा(बकरीद) मनाएंगे। इस दिन मस्जिद में नमाज पढ़ने के बाद अपनी प्रिय चीज की कुर्बानी दी जाती है। बताया जाता है कि इस दिन के लिए अल्लाह की तरफ से आदेश आया था कि हर एक मुस्लिम इस दिन अपनी प्रिय चीज की कुर्बानी देगा। इस प्रथा को निभाते हुए इस दिन जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। बताया गया है कि हजरत इब्राहिम को एक बार सपने में अल्लाह ने अपनी प्रिय चीज की कुर्बानी देने का हुकूम हुआ। हजरत इब्राहिम को अपना बेटा बहुत प्यारा था। इसलिए उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने की तैयारी कर ली। जब अपने बेटे को अल्लाह के लिए हजरत इब्राहिम कुर्बान कर रहे थे, तो उनसे अपने बेटे को ऐसी स्थिति में देखा नहीं गया। इसलिए उन्होंने उस वक्त अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली। उसके बाद उन्होंने अपने बेटे की गर्दन पर छुरी चला दी। लेकिन अल्लाह ने उसकी सच्ची निष्ठा को देखते हुए हजरत इब्राहिम के बेटे को हटाकर उनकी छुरी के नीचे एक मेमना खड़ा कर दिया। कुर्बानी के बाद जब हजरत इब्राहिम ने अपनी आंखों से पट्टी हटाई तो देखा कि बेटा जिंदा है और उसकी जगह उसने एक जानवर को कुर्बान कर दिया। अपने बेटे को जिंदा देखकर हजरत इब्राहिम काफी खुश हुए। बताया जाता है कि इसकी याद में ही यह कुर्बानी का पर्व मनाया जाता है। फिर बकरीद पर जानवर की कुर्बानी देने की प्रथा शुरू हो गई।

मुलुंड के गणपति पंडाल में अनूप जलोटा मधुश्री,एकता जैन ,चरणजीत सिंह सप्रा

ओम छगाणी जो मिस्टर कबाड़ी फिल्म के निर्माता हैं और मुलुंड के नीलम नगर फेज २ गणपति मंडल के प्रेसिडेंट हैं ,इन्होने अपने मंडल के २५ साल पुरे होने पर भजन संध्या का आयोजन किया जिसमे हिस्सा लेने पदमश्री भजन सम्राट अनूप जलोटा और सुरीली आवाज की मलिका मधुश्री आये। इस भजन संध्या में अनूप जलोटा और मधुश्री ने ना केवल भजन गाये बल्कि अपनी आनेवाली फिल्म मिस्टर कबाड़ी के गीत भी गाये और आये हुए मेहमानो से आठ सितम्बर को फिल्म देखने की गुजारिश भी की। काजल वशिष्ट ने भजन संध्या की एंकरिंग की। गणपति बाप्पा का दर्शन करने एकता जैन ,काजल और चरणजीत सिंह सप्रा भी आये।

दागी MP और MLA पर सुप्रीम कोर्ट की तलवार

अपराधिक मामलों में दोषी पाए गए विधायकों और सांसदों पर लाइफटाइम बैन लगाने के मामले में अब सुप्रीम कोर्ट लगातार सुनवाई करेगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि अच्छा होगा कि अगर दोषी सांसदों और विधायकों के मामलों को 6 महीने के भीतर निपटा लिया जाए। अभी ऐसे सांसदों या विधायकों पर 6 साल तक चुनाव लडने पर प्रतिबंध है।

याचिकाकर्ता ने की 1 साल के अंदर सुनवाई पूरी करने की अपील – यह याचिका दिल्ली भाजपा प्रवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय के द्वारा डाली गई है। इसकी सुनवाई जस्टिस रंजन गोगोई और नवीन सिन्हा की बेंच के नेतृत्व में चल रही है। याचिकाकर्ता की ओर से इस मामले की सुनवाई को 1 साल के अंदर पूरी करने की अपील की गई है। केंद्र सरकार की ओर से दाखिल किए गए हलफनामे में कहा गया कि मौजूदा समय में दोषी करार दिए गए सांसदों और विधायकों पर 6 साल चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं है।

कोर्ट में राम रहीम का दिया हवाला – याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अपील की है कि वह इस मामले में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश जारी करें, और एक्शन लें। वहीं सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील ने दुष्कर्म के जुर्म में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में सजा पूरी करके वह भी चुनाव लड़ने आ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो क्या होगा।

गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोत्तरी

तेल विपणन कंपनियों ने सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर में आठ रुपए और गैर सब्सिडी वाले सिलेंडर में 74 रुपए की भारी बढ़ौत्तरी की है। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल के अनुसार राजधानी दिल्ली में सब्सिडी वाला सिलेंडर अब 487.18 रुपए का मिलेगा। अभी तक यह 479.77 रुपए का था। सरकार ने रसोई गैस पर सब्सिडी खत्म करने के लिए पहले दो रुपए प्रति माह बढ़ाने के लिए कहा था। बाद में चालू वित्त वर्ष के अंत तक रसोई गैस पर सब्सिडी खत्म करने के लिये इसे हर महीने चार रुपए बढ़ाने का आदेश दिया था। इस वर्ष 1 जुलाई को सब्सिडी वाले रसोई गैस पर पिछले छह साल में सबसे अधिक 32 रुपए सिलेंडर की बढ़ौतरी की गई थी। सरकार ने 1 जुलाई से वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) लागू किया था और इसी के परिणामस्वरूप दाम इतने अधिक बढ़े थे। नई दरों के अनुसार दिल्ली में अब गैर सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर 597.50 रुपए का मिलेगा। पहले इसकी कीमत 524 रुपए थी। सरकार एक वित्त वर्ष में सब्सिडी दरों में उपभोक्ता को 14.2 किलोग्राम वाले 12 सिलेंडर सब्सिडी दरों पर उपलब्ध कराती है। इससे अधिक सिलेंडर लेने पर ग्राहक को गैर सब्सिडी की कीमत अदा करनी होती है।.

'BJP भगाओ' महारैली कर फंसे लालू यादव

पटना के गांधी मैदान में रविवार को आयोजित लालू प्रसाद यादव ने 'देश बचाओ, भाजपा भगाओ' महारैली की थी। इस विशाल रैली को लेकर लालू फिर विवादों में आ गए हैं। रैली में खर्च को लेकर आयकर विभाग ने फखऊ को नोटिस जारी किया है और इस विशाल रैली में खर्च को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग ने आरजेडी से पूछा कि आखिरी रविवार को आयोजित इस विशाल रैली के लिए इतना पैसा कहां

से जुटाया गया। इस रैली में लालू के परिवार के अलावा शरद यादव, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, गुलाम नबी आजाद, सीपीआई नेता डी.राजा, कांग्रेस के हनुमंत राव, डीएमके के.एलांगोवन, एनसीपी के तारिक अनवर मंच पर मौजूद थे। रैली में हिस्सा लेने के लिए आरजेडी के जो भी समर्थक पटना पहुंचे थे, उनके रहने और खाने-पीने का इंतजाम पार्टी के 80 विधायकों, सात पार्षदों और तीन सांसदों के जिम्मे था। कार्यकर्ताओं के रहने के लिए बड़े-बड़े शामियाने लगाए गए थे। बता दें कि इससे पहले मंगलवार को आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की संयुक्त टीम ने लालू के छोटे बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से घंटों बेनामी संपत्ति के मामले में पूछताछ की थी।

श्रीलंका के फैसले से भारत की चिंता दूर

प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हम्बनटोटा बंदरगाह का किसी भी अन्य देश द्वारा सैन्य अड्डे के तौर पर इस्तेमाल की संभावना को आज खारिज कर दिया। इस तरह उन्होंने श्रीलंका में बढ़ती चीनी नौसना की मौजूदगी पर भारत की चिंताएं दूर की हैं।

श्रीलंका की सरकार ने हम्बनटोटा बंदरगाह की 70 फीसदी हिस्सेदारी चीन को बेचने के लिए गत 29 जुलाई को 1.1 अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। बंदरगाह निर्माण के चलते देश पर चढ़े भारी भरकम कर्जे पर चिंताएं जाहिर की जा रही थीं। चीन की सरकारी चाइना मर्चेंट पोर्ट होल्डिंग्स 99 वर्ष के लीज समझौते के तहत

बंदरगाह में 1.1 अबर डॉलर का निवेश करेगी। इस समझौते में कई महीनों की देरी हुई है जिसकी वजह यह आशंका है कि गहरे समुद्र में बने बंदरगाह का इस्तेमाल चीन की नौसेना कर सकती है। श्रीलंका में गृहयुद्ध वर्ष 2009 में खत्म हुआ था जिसके बाद से चीन ने यहां लाखों डॉलर का निवेश किया है। हम्बनटोटा बंदरगाह को विकसित करने में चीन की भागीदारी पर भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने ऐसा समय चुना है जब भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज वहां दौरे पर हैं।

कल रात यहां हिंद महासागर सम्मेलन को संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा, कई महत्वपूर्ण बंदरगाहों,खासकर हम्बनटोटा बंदरगाह जिसपर कुछ देश अपना सैन्य अड्डा होने का दावा जताते हैं,उसे विकसित करने के श्रीलंका के फैसले के संबंध में कुछ कहना चाहता हूं। मैं स्पष्ट रूप से कह रहा हूं कि राष्ट्रपति मैत्रिपाला सिरिसेना के नेतृत्व में श्रीलंका किसी भी देश के साथ सैन्य साझेदारी नहीं कर रहा और अपने अड्डों को अन्य देशों को उपलब्ध भी नहीं करा रहा। उन्होंने कहा, हमारे बंदरगाहों और हवाईअड्डों पर सैन्य गतिविधियों का अधिकार केवल श्रीलंका के सैन्य बलों को है।हमारे बंदरगाहों को व्यावसायिक तौर पर विकसित करने के लिए हम विदेशी निजी निवेशकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अफगान राष्ट्रपति ने ईद पर पड़ोसी मुल्क PAK को दिया शांति का प्रस्ताव

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने कुर्बानी के पर्व ईद उल अजहा के अवसर पर पड़ोसी पाकिस्तान के साथ संबंधों में सुधार के लिए उसे समग्र वार्ता का प्रस्ताव दिया है।

अधिकतर मुस्लिम देशों की भांति अफगानिस्तान में ईद उल अजहा का पर्व आज मनाया जा रहा है वहीं पाकिस्तान में यह पर्व शनिवार को है। यह त्योहार अपने बेटे की कुर्बानी देने की हजरत इब्राहीम की इच्छा देने की याद में मनाया जाता है। गनी ने आतंकवादियों से हथियार छोड़ देने की अपील की और कहा, पाकिस्तान के साथ शांति हमारा राष्ट्रीय एजेंडा है। अफगानिस्तान लगातार पाकिस्तान पर तालिबान आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है वहीं इस्लामाबाद का कहना है कि उसके दुश्मनों ने अफगानिस्तान में शरण ली है। दोनों देशों के बीच उनको अलग करने वाली सीमा जिसे ड्यरैंड लाइन के नाम से जाना जाता है और इसपर दोनों के बीच भारी मतभेद है। अफगानिस्तान इसे अंतर्राष्ट्रीय सीमा मानने से इंकार करता है।

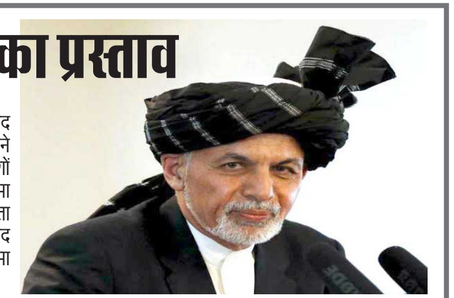

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हरियाणा में जाट समेत 6 जातियों के आरक्षण पर रोक जारी रहेगी: हाईकोर्ट का फैसला

पानीपत। हरियाणा में जाटों समेत 6 जातियों को पिछड़े वर्ग के तहत दिए गए आरक्षण पर रोक जारी रहेगी। शुक्रवार को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने ये फैसला सुनाया। हाईकोर्ट के मुताबिक, ये रोक 31 मार्च 2018 तक जारी रहेगी। बता दें कि हरियाणा सरकार ने जाटों समेत 6 जातियों को विशेष पिछड़ा वर्ग की कैटेगरी में लाते हुए 10% आरक्षण दिया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। 6 मार्च को इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा गया था। जाट समेत 6 जातियों पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोक बरकरार रखी। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई हुई। ये रोक 31 मार्च 2018 तक जारी रहेगी। इस दौरान, इस आरक्षण के पक्ष में जो भी लोग हैं वो 31 दिसंबर 2017 तक स्टेट बैकवर्ड कमिशन पर आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इसके बाद हाईकोर्ट में स्टेट बैकवर्ड कमिशन 2018 में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। इसके बाद कोर्ट फैसला सुनाएगा। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार से कहा कि उसने जो डाटा कलेक्ट किया है वो बैकवर्ड क्लास कमीशन को सौंप दे। हाईकोर्ट ने ये भी कहा कि अगर सरकार ये डाटा नहीं दे पाती है तो कमीशन खुद ये देखेगा कि किसको और कितना आरक्षण दिया जा रहा है।

पिटीशनर और सरकार ने क्या कहा?

पिटीशनर की तरफ से हाईकोर्ट में हरियाणा शिक्षा विभाग के आंकड़े पेश करते हुए कहा गया है कि अलग-अलग पदों पर जाटों का रिप्रेजेंटेशन 30 से 56% है। हरियाणा सरकार की तरफ से कहा गया कि पिटीशनर के आंकड़े गलत हैं। जाति के आधार पर कोई आंकड़े नहीं हैं। पिटीशनर ने यह डाटा खुद तैयार किया है। बेंच ने कहा कि यह मुमकिन नहीं है कि इतने बड़े स्तर पर आंकड़े खुद तैयार किए जाएं। सरकार के पास यह आंकड़े जरूर होंगे।

क्या है सरकार का दावा?

हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट में दावा किया है कि जाट पिछड़े हैं, इसलिए आरक्षण देने का फैसला लिया गया। राज्य सरकार ने पिटीशनर के उन दावों को गलत बताया जिसमें जाटों के पिछड़ा ना होने की बात कही गई है। दूसरी तरफ पिटीशनर की तरफ से सरकार के ही आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि जाट पिछड़ी जाति में नहीं है। वे सरकारी नौकरियों और क्लास वन पदों पर काबिज है। ऐसे में सरकार गलत जानकारी दे रही है। हरियाणा सरकार का कहना है कि जाट ओबीसी में आते हैं और इस बारे में पिटीशनर के दिए गए आंकड़े गलत हैं जिनमें जाटों को पिछड़ा मानने से इनकार करते हुए सरकारी नौकरियों और क्लास वन अफसर के पदों पर उनका ज्यादा रिप्रेजेंटेशन होने की बात कही गई।

महंगे शौक ने लखनऊ के छात्रों को बनाया लुटेरा, गिरफ्तार

लखनऊ। महंगे रेस्टोरेंट में खाने पीने और ब्रांडेड कपड़ों के शौक ने तीन छात्रों को लुटेरा बना दिया। जिसके बाद वह एक साथी के साथ मिलकर पर्स और चेन लूट की वारदात को अंजाम देने लगे। जिनसे से एक कानून (विधि) का पढ़ाई कर रहा था। ऐसे चार बदमाशों को महानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लूट का माल, तमंचा, एक स्कूटी और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। एसएसपी दीपक कुमार ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों में फैजाबाद रोड समथर हाउस निवासी कुनाल सेन बीकॉम द्वितीय वर्ष का छात्र, चंदन कुमार निवासी बादशाहनगर रेलवे कॉलोनी बीकॉम छात्र और अजय यादव निवासी महानगर फातिमा अस्पताल के पास एलएलबी छात्र व उनका साथी सुहेल खान निवासी अलीनगर खदरा सीतापुर रोड है। उनके पास से तीन सोने की चेन, एक अंगूठी, दो बिछिया, एक स्कूटी और एक बाइक, तमंचा एक कारतूस और मोबाइल बरामद किया गया है। यह लोग महंगे होटलों में खाने और नशे के आदी हैं। शौक पूरा करने के लिए पर्स और चेन लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तारी की टीम में शामिल पुलिसकर्मियों में इंस्पेक्टर विकास कुमार पांडेय, दारोगा अजय प्रकाश त्रिपाठी, शशिकांत कनौजिया व अन्य पुलिसकर्मी हैं। उक्त लोगों ने चार लूट की घटनाएं स्वीकार की हैं जिनके सबूत भी इनके पास मिले हैं। 10 जून 2017 को फैजाबाद रोड कोकिला कुंज के पास मीना श्रीवास्तव से पर्स लूट की। 11 जून को बड़ा चांदगंज अलीगंज के पास अर्चना द्विवेदी पत्नी साकार नाथ द्विवेदी के साथ पर्स लूट। 19 जून को राजेंद्र नगर नाका में स्कूटी सवार रेखा कपूर पत्नी प्रदीप की पर्स लूटी। 12 अगस्त को सवरेदयनगर कॉलोनी मानस विहार में संजय अग्रवाल की पत्नी की झपट्टा मार कर पर्स लूटा।

लखनऊ में अफसरों के घर में काम कर रहे 800 रेलकर्मी

लखनऊ। पटरियों की देखभाल करने की जगह 15 प्रतिशत कर्मचारी रेल अफसरों के घरों में काम कर रहे हैं। पगार रेलवे से ले रहे हैं। कुछ कृपापात्र कर्मचारियों को डीआरएम दफ्तर में तैनात कर दिया गया है। जबकि कुछ कर्मचारी सेवानिवृत्त जीएम और अन्य रेल अफसरों के घर पर काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों की वीडियो क्लिप और उपस्थिति रजिस्टर की फोटो कॉपी ट्रैक मेंटेनर एसोसिएशन ने रेलवे बोर्ड को भेज दी गई है। वहीं सीआरएम अश्वनी लोहानी के फरमान के बाद रेलवे में खलबली मच गई है। दोनों ही मंडलों के डीआरएम ने आनन-फानन में पत्र जारी कर अफसरों को अपने घरों पर तैनात कर्मचारियों को रिलीव करने का आदेश दिया है। यह भी कहा है कि चार सितंबर तक यदि यह कर्मचारी नहीं हटे तो कार्रवाई होगी। जबकि रेलवे बोर्ड ने आदेश दिया है कि यदि कर्मचारी चार सितंबर के बाद बंगलों पर पाए गए तो डीआरएम नपेंगे। किसी बंगले पर कोई भी कर्मचारी तैनात नहीं है और वह अपने मूल पद पर काम कर रहा है। इसका सर्टिफिकेट डीआरएम को ही देना होगा। टैक मेंटेनर एसोसिएशन के सहायक सचिव विश्वनाथ सिंह यादव ने बताया कि उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में छह हजार गैंगमैन और ट्रैकमैन तैनात हैं। इसमें से 800 ट्रैकमैन और गैंगमैन रेलवे अफसर के घर का खाना बनाने, बच्चों को स्कूल छोड़ने, राशन और सब्जी लाने और बिल जमा करने के कार्य में लगाए गए हैं। एसोसिएशन ने पहले ही रेलवे बोर्ड को कई बार ज्ञापन भेजा था जिसमें इन कर्मचारियों के अपने मूल काम की जगह अफसरों के घरों पर तैनात होने के कारण सुरक्षा को नुकसान होने का अंदेशा जताया गया था। उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन हादसा भी कर्मचारियों की कमी के कारण हुआ। क्योंकि ट्रैक की देखरेख नहीं हो पा रही थी। रेलवे अफसर अपने घर में तैनात कर्मचारियों की हाजिरी को लेकर भी खेल करते हैं। कागजों पर जो कर्मचारी पटरी की मरम्मत पर तैनात रहता है, उसकी हाजिरी अपने अधीनस्थ से कहकर रजिस्टर पर लगवाई जा रही है। रजिस्टर पर यह हाजिरी मासिक वेतन तैयार करने से पहले ठीक कर दी जाती है।

अब महिलाओं की लगा रहे ड्यूटी

घर तैनात गैंगमैन व ट्रैकमैनों को हटाने की जगह रेलवे अफसर अब महिला कर्मियों को रेल लाइन की मरम्मत के लिए भेजने का आदेश दिया है। इन महिलाओं को दफ्तरों से हटाकर रेल लाइन पर भेजा जा रहा है। जिससे साइट पर कर्मचारियों की उपस्थिति अधिक दिखाई जा सके।

बिना हेलमेट बाइक चलाने पर लगेगा पांच हजार का जुमार्ना

पटना। बिहार के कैमूर जिले की सड़कों पर अनियमित परिचालन को रोकने को लेकर परिवहन विभाग ने रणनीति बनाई है। इसको लेकर जिला परिवहन विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। बिना हेलमेट के बाइक चलाने पर पांच हजार का जुमार्ना किया जायेगा। साथ ही जिले में ओवर लोडेड वाहन व बिना निबंधन के ट्रैक्टर व ट्रेलर का भी परिचालन नहीं होगा। जुगाड़ गाड़ी के परिचालन पर भी कार्रवाई करने की कवायद विभाग ने शुरू कर दी है। अब तक विभाग के द्वारा चलाए गए अभियान में कई जुगाड़ वाहनों को जप्त किया गया है। साथ ही चालक पर प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की गई है। परिवहन विभाग ने नगर सहित पूरे जिला में कार्रवाई करने को ले एजेंडा तैयार किया। इस के तहत जिला में अभियान को चलाकर सभी वाहनों की सघन जांच की जांच रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर जिला परिवहन पदाधिकारी भरत भूषण प्रसाद ने बताया कि बिना कागजात वाले वाहनों के चालकों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना पर रोक लगाने के लिए चालक को हेलमेट पहनना अति आवश्यक होगा। पकड़े जाने पर नए प्रावधान के तहत पांच हजार रुपये का जुमार्ना देना होगा। साथ ही इंश्योरेंश के कागजात के बिना वाहनों का परिचालन नहीं होगा। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि छोटे व बड़े वाहनों के चालकों को मोटर अधिनियम का पालन हर हाल में करना होगा। अधिनियम का अनुपालन नहीं करने वालों के 1खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ अर्थ दंड भी वसूल किया जाएगा। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि प्रेशर हार्न का प्रयोग करने वाले वाहनों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

सपने में दिखता था भूत, जब CCTV कैमरा लगाया तो सामने आई ये सच्चाई

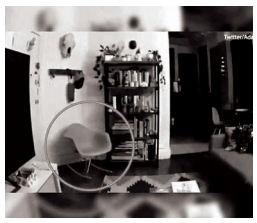

न्यूयॉर्क मे एक शख्स को सपने में बच्चे की भूत दिखाई दे रहा था। लेकिन, सीसीटीवी कैमरा लगाया तो शॉकिंग खुलासा हुआ। न्यूयॉर्क में एक ऐसा मामला आया है, जो सोशल साइट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, एडम एलिस नामक एक शख्स के सपने में कई दिनों से मरा हुआ बच्चा आ रहा था, जो उन्हें मारने की कोशिश कर रहा था। एक दिन जब उन्होंने अपने घर के अंदर सीसीटीवी कैमरा लगाया तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। ये है पूरा मामला...

एडम ने ट्विटर पर कई पोस्ट शेयर करके अपनी आपबीती लोगों से बताई है। उन्होंने बताया कि जब वो तीन हफ्ते के लिए जापान जाने वाले थे। अपनी बिल्लियों पर नजर रखने के लिए घर में Pet Monitoring कैमरा लगाया था। इस कैमरे के द्वारा घर से दूर होने पर पेट्स पर नजर रखी जा सकती है। ये वाईफाई से जुड़ा होता है और चौबीस घंटे काम करता है। ये कैमरा घर में होने वाली आवाजों और गतिविधियों की जानकारी एक एप के द्वारा मोबाइल पर पहुंचा देता है। एक रात जब वो घर से बाहर गए, तो कैमरे को टेस्ट करने का सोचा। शाम को बिल्लियों की आम आवाजों के अलर्ट आते रहे। इसके बाद रात 11 बजे अलर्ट आया कि घर में कुछ हलचल हुई है। लकिन, एक-दो बार वीडियो चेक करने पर उसमें कोई खास हलचल नहीं उन्हें नहीं दिखी। जब तीसरी बार उन्हों वीडियो चेक किया तो उन्हें कुर्सी हिलती हुई दिखाई दी। कुर्सी पर उन्हें एक बच्चे की परछाई भी नजर आई। पहले उन्हें लगा कहीं हवा की वजह से तो ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन उन्हें याद आया कि घर के सारे दरवाजे और खिड़कियां तो बंद रखी थी। दरअसल, यही सब चीजें एडम ने पहले सपने में भी देखा था। पहले तो उन्हें कुछ समझ में नहीं आया कि मामला क्या था। लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो उसी बच्चे का भूत था।

विश्व के खूबसूरत चर्च

भारत में कई धर्मों के लोग रहते हैं। सबके अपने-अपने मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे और चर्च होते हैं। अगर चर्च की बात करें दुनिया के हर कोने में कोई न कोई चर्च होता ही है। जिनमें केवल ईसाईयों के साथ-साथ हिंदू, मुस्लिम सभी पूरी श्रद्धा से जाते है। आज हम आपको दुनिया के सबसे खूबसूरत चर्च के बारे में बताने जा रहे है, जहां आप भी घूमने जा सकते है।

- सग्रडा फमिलिअ (बार्सिलोना, स्पेन)

यह चर्च स्पेन के सबसे बड़े चर्चों में से एक है। जिसका निर्माण 1882 में किया गया। 7 नवंबर 2010 को इसे पूरी तरह ओपन कर दिया गया। अपनी खूबसूरती की वजह से यह चर्च यूनेस्को विश्व विरासत स्थलों में शामिल किया गया है।

- हागिया सोफिया (इस्तांबुल, तुर्की)

हागिया सोफिया दुनिया के प्राचीन चर्च में से एक है। यह इस्तांबुल का एक संग्राहलय है, जिसे चर्च के रूप में जाना जाता है। इस चर्च में आपको बीजान्टिन वास्तुकला का बेहतरीन नमूना देखने को मिलेगा। जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

- सेंट मार्क बासीलीक (वेनिस, इटली)

यह चर्च वेनिस शहर की पहचान के रूप में जाना जाता है जिसका निर्माण वर्ष 1650 में किया गया था। यह चर्च प्राचीन और प्रसिद्ध होने के साथ ही बेहद खूबसूरत भी है।

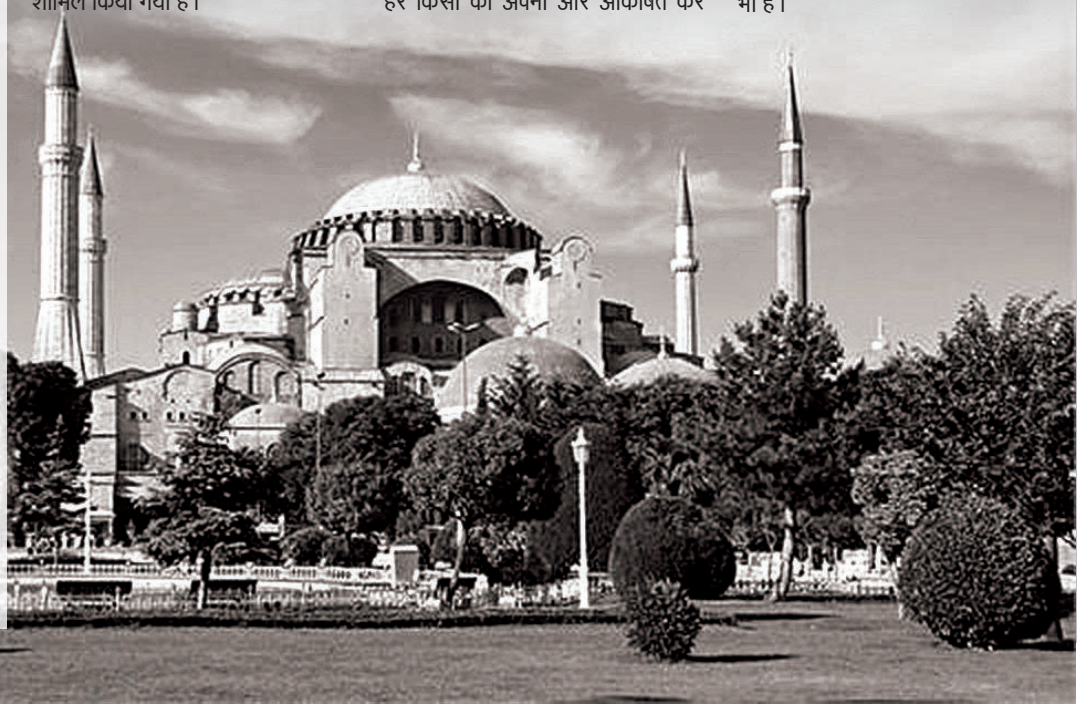

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
रुके कार्य शीघ्रता से पूर्ण। आय के मामले में स्थिरता रहेगी। कारोबारी विवाद खत्म हो सकता है। परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं।

वृष
परिवार में मान सम्मान के अवसर आएंगे। व्यापारिक उन्नति के अवसर प्रबल होंगे। आर्थिक पक्ष उत्तम रहेगा। नए वाहन की खरीद फरोख्त हो सकती है।

मिथुन
नए लोगों से मेलजोल के अवसर बनेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन सकते हैं। अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग। माता पिता की सेहत उत्तम।

कर्क
विवादित मामले सुलझने के आसार। कारोबार में लाभ एवं बढ़ोतरी के आसार। मेहमानों का आगमन हर्ष प्रदान करेगा। निकट के लोगों का साथ मिलेगा।

सिंह
सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। आय में वृद्धि और समस्याओं का निराकरण। नवीन वस्त्रों की खरीददारी हो सकती है। यात्रा शुभ एवं सफल।

कन्या
नवीन योजनाओं पर अमल ना करें। कर्ज बढ़ सकता है। आवश्यक कार्यों में देरी न करें। आय आलस्य के कारण प्रभावित हो सकती है। योजनाएं असफल।

तुला
किसी अच्छे कार्य की शुरूआत हो सकती है। धनागमन के पूर्ण आसार हैं। परिवार में मांगलिक कार्यों की चर्चा हो सकती है। संतान की ओर से चिंता दूर होगी।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में पूर्ण सुधार के योग। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। दांपत्य जीवन में सरसता बनी रहेगी। रुके कार्य पूर्णता की ओर।

धनु
कामकाज को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हो। भ्रमण पर जाने से मन प्रसन्न। दांपत्य जीवन में सरसता का अनुभव। धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मकर
परेशानियों का शीघ्र ही अंत होगा। रुका पैसा प्राप्त होने में मित्रों का सहयोग रहेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में समर्थ। आर्थिक पक्ष बेहतर रहेगा।

कुंभ
प्रेम में असफलता के आसार। व्यक्तिगत समस्याएं बढ़ सकती हैं। परिवार में अनबन से मन परेशान रह सकता है। गलत विचारों को हावी न होने दें।

मीन
शत्रु व विरोधी पक्ष कमजोर रहेगा। जीवनसाथी के साथ भ्रमण पर जा सकते हैं। प्रेम प्रसंग में सफलता के आसार हैं। पारिवारिक समस्या का निराकरण।

पहाड़ के अंदर, ऐसे हैं आर्मी के ये सीक्रेट बंकर

स्विट्जरलैंड के हरे-भरे और बर्फ से ढंके पहाड़ बहुत सुंदर हैं। लेकिन इस सुंदरता के नीचे एक सीक्रेट भी है। ये हैं सेकंड वर्ल्ड वॉर के समय के आर्मी बंकर। आल्प्स पर्वतश्रेणी के नीचे और उसकी तलहटी में ऐसे कई बंकर और सुरंगें हैं। इन्हें हमला होने की दशा में सरकार के अहम लोगों और सेना के बचाव के लिए बनाया गया था। वर्ल्ड वॉर के काफी बाद भी इनका इस्तेमाल होता रहा। हालांकि आम लोगों के बीच इनके बारे में जानकारियां बहुत कम थीं। एक स्विस फोटोग्राफर ने पहली बार इन टनल बंकर्स की तस्वीरें खींची हैं और इनका सिलसिलेवार विवरण दिया है। ऐसे हैं ये बंकर...

फोटोग्राफर रेटो स्टेर्ची बचपन से इन बंकर्स को देखते थे, लेकिन सिर्फ बाहर से। उन्हें भीतर जाने की मनाही थी। तब तक काफी बंकर टूट-फूट चुके थे। जब वे बड़े हुए और सेना में भर्ती हुए,

तब उन्हें ऐसे ही एक बंकर में कुछ दिन गुजारने का मौका मिला, जो सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौर में बनाया गया था। रेटो इन्हें मिस्ट्री ऑफ माउंटेन्स कहते हैं। उन्हें इनके इतिहास से ज्यादा इनका रहस्य आकर्षित करता है। यही वजह है कि 2010 से उन्होंने इन अंडरग्राउंड बंकर्स और टनल्स की तस्वीरें लेनी शुरू की। रेटो का कहना है कि स्विट्जरलैंड के इन रहस्यमय बंकर्स के बारे में ऑनलाइन ज्यादा जानकारियां नहीं थीं और इनका कोई फोटोग्राफिक रिकॉर्ड भी नहीं था, सो उन्होंने वह काम शुरू किया। रेटो ने जब प्रोजेक्ट की शुरूआत की, तो उन्हें सेना की तरफ से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। हालांकि स्विस सरकार ने 1990 के दशक में ही बहुत सारे बंकर पब्लिक के लिए खोल दिए थे, लेकिन सेना चाहती थी कि उनका रहस्य बरकरार रहे। इसके बावजूद बहुत-से लोगों ने रहस्य-रोमांच की चाह में इन बंकर्स की खाक छानी थी और कुछ में जासूसों की तरह अपना ठिकाना भी बना लिया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुहागरात को बनाना चाहते हैं स्पेशल, तो अपनाएं ये 10 आसान टिप्स

शादी से पहले लड़का हो या लड़की दोनों के मन में सुहागरात यानि फर्स्ट नाइट को लेकर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह इस दिन को लेकर बेहद नर्वस होते हैं कि क्या होगा, कैसे होगा। यह खास पल ही एक लड़का और लड़की को करीब लाता है, जिससे उनकी जिंदगी की एक नई शुरूआत होती है। लड़के खासतौर पर इस मूमेंट को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। इसलिए अगर आप भी एक लड़के है और जल्द ही आपकी शादी होने वाली है, तो इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने जीवन के इस खास दिन को स्पेशल बना सकते हैं।

क्या हैं ये टिप्स:-

- सुहागरात के दिन शारीरिक संबंध बनाने से पहले माहौल को रोमांटिक बनाएं। आप रूम में अरोमा कैंडल जला सकते हैं, ताकि हल्की-हल्की रोशनी रहे। इसके साथ लाइट म्यूजिक भी एक अच्छी च्वाइस है।

⏭ शारीरिक संबंध बनाने में जल्दबाजी न करें। पहले एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें।

⏭ अपनी सारी झुंझलाहट को बातचीत के जरिए पहले ही दूर कर लें, ताकि आपको या आपके पार्टनर को अनकंफर्टेबल न लगे।

⏭ आप पार्टनर को कोई भी सरप्राइज गिफ्ट देकर खुश कर सकते हैं।

⏭ सुहागरात में संबंध बनाने से पहले फोरप्ले करने से सेक्स का आनंद दौगुना हो जाता है। इसके लिए आप उन्हें किस कर सकते हैं या उनके निजी अंगो को छू सकते हैं।

⏭ पार्टनर से सेक्सी बातें करें, इससे दोनों उत्तेजित होंगे और सेक्स की इच्छा बढ़ेगी।

⏭ सेक्स से तुरंत पहले एल्कोहल और सिगरेट बिलकुल न पिएं। इससे पुरुषों में इरेक्टाइल प्रॉब्लम्स और स्त्रियों में वजाइनल ड्राइनेस की समस्या हो सकती हैं।

⏭ सुहागरात में संबंध बनाने से पहले कंडोम का प्रयोग करें। इससे यौन संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम होता है और बिना प्लानिंग के प्रेग्नेंसी का डर भी नही रहता।

⏭ अंतरंग पलों से पहले अपने साथी की पसंदीदा ड्रेस पहनें। इससे रोमांचक बढ़ेगा।

⏭ किसी भी प्रकार का प्रयोग करने से बचें, जिससे आपको या आपके पार्टनर को शारीरिक कष्ट न पहुंचे।

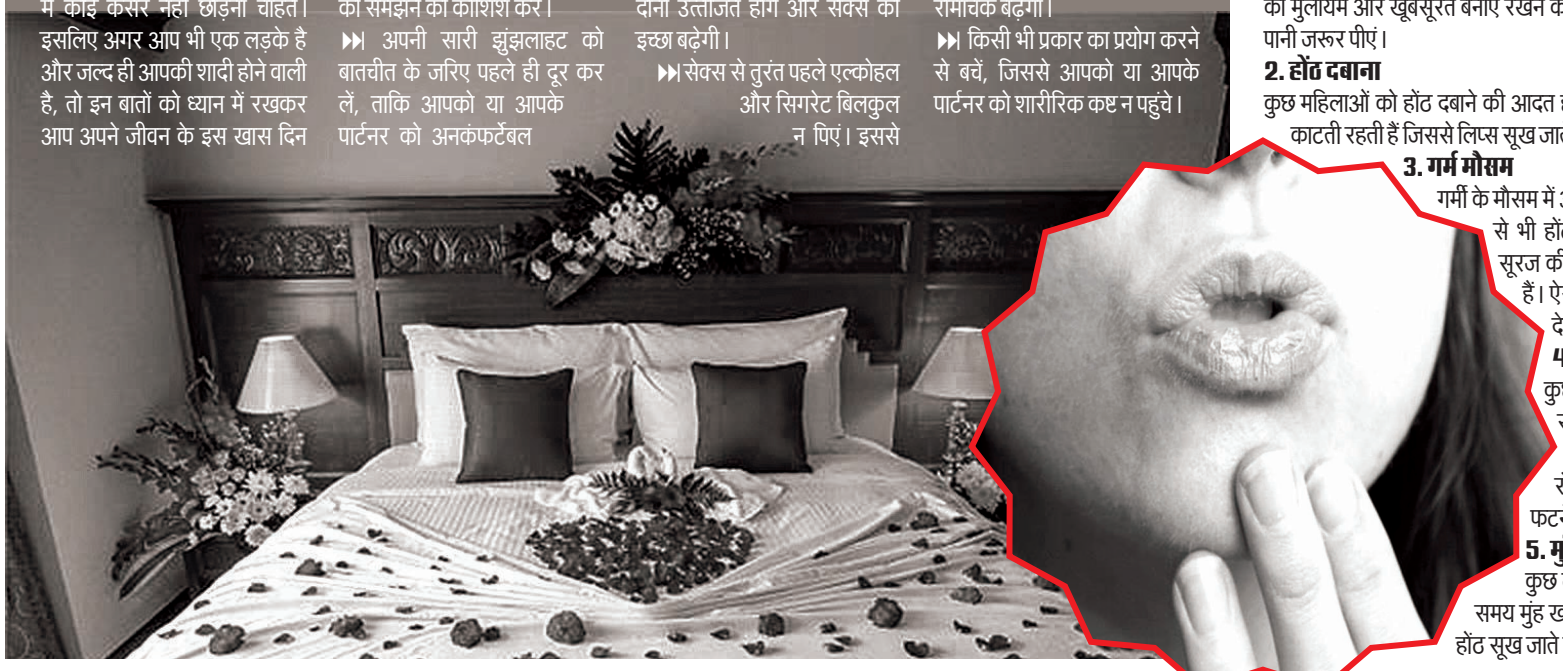

बार-बार क्यों हो जाते हैं होंठ ड्राई ?

खूबसूरत होंठ महिलाओं के चेहरे की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं लेकिन कुछ महिलाओं के होंठ बार-बार ड्राई हो जाते हैं। फटे होंठ होने की वजह से लिपस्टिक भी सही ढंग से नहीं लगती। होंठों को मुलायम बनाने के लिए वे लिपबाम लगाती हैं और कई तरह के घरेलू नुस्खे अपनाती हैं जिससे उस समय तो होंठ मुलायम हो जाते हैं लेकिन कुछ दिनों बाद दोबारा फटने लगते हैं। ऐसा सिर्फ मौसम में बदलाव की वजह से नहीं बल्कि महिलाओं की कुछ गलतियों की वजह से भी होता है। आइए जानिए किन वजहों से बार-बार होंठों में रूखापन आ जाता है।

1. पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी होने का सबसे ज्यादा असर होंठों पर ही देखा जाता है। डिहाइड्रेशन की वजह से होंठों की नमी खो जाती है और वे ड्राई हो जाते हैं। होंठों को मुलायम और खूबसूरत बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम 8 गिलास पानी जरूर पीएं।

2. होंठ दबाना

कुछ महिलाओं को होंठ दबाने की आदत होती है। वे अक्सर होंठों को दांत से काटती रहती हैं जिससे लिप्स सूख जाते हैं और उनमें रूखापन आ जाता है।

3. गर्म मौसम

गर्मी के मौसम में अधिक देर तक धूप में रहने की वजह से भी होंठ फटने लगते हैं। गर्म हवाएं और सूरज की किरणें होंठों को नुकसान पहुंचती हैं। ऐसे में इस मौसम में लिप्स की खास देखभाल बहुत जरूरी है।

4. कैमिकल युक्त टूथपेस्ट

कुछ टूथपेस्ट में अधिक मात्रा में सोडियम लॉरेल सल्फेट पाया जाता है जिससे रोजाना इससे ब्रश करने से होंठों में जलन होने लगती है और वे फटने लगते हैं।

5. मुंह से सांस लेना

कुछ लोगों को आदत होती है कि वे सोते समय मुंह खोल कर सांस लेते हैं। ऐसा करने से होंठ सूख जाते हैं और फटने लगते हैं।

पीरियड्स के दिनों में न बनाएं संबंध, इन कामों से भी रहें दूर

महीने के पांच दिन ऐसे होते है जब महिलाओं को सेहत संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है हम बात कर रहे है पीरियड्स के दिनों की। महिलाओं में पीरियड्स आना एक नैचुरल प्रोसेस है। इन दिनों में सफाई के साथ-साथ कुछ बातों का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियां बताने जा रहे है जो अक्सर महिलाएं करती है, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

⏭ **एक्सरसाइज**

पीरियड्स के दिनों में हैवी एक्सरसाइज न करें। इससे ब्लड सकुर्लेशन बढ़ जाता है। इससे अधिक पेट दर्द और हैवी ब्लीडिंग की प्रॉब्लम हो सकती है।

- उपवास

भूलकर भी इन दिनों मे उपवास न रखें क्योंकि शरीर को कैल्शियम की अधिक मात्रा में जरूरत होती है। ऐसे में सेहत संबंधित कोई गंभीर बीमारी हो सकती है।

- भरपूर नींद न लेना

महिलाएं इन दिनों में कम से कम 8 घंटे की नींद जरूर लें। इससे बॉडी पेन जैसी समस्या नहीं होगी।

- शारीरिक संबंध

इन दिनों में अपने पार्टनर से दूरी बनाकर रखें। शारीरिक संबंध न बनाएं। ऐसा करने से इंफैक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

- फास्ट फूड

बर्गर, पिज्जा, सैडविच और फ्राइड चीजों का सेवन न करें। दरअसल, इनसे शरीर को सही मात्रा में विटामिन्स और मिनरल्स नहीं मिल पाते, जिससे शरीर को थकान महसूस करती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धोनी ने तोड़ दिया एक बड़ा रिकॉर्ड

तो विराट ने 'क्रिकेट के भगवान' को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने चौथे वनडे में श्रीलंका को 168 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 104, विराट कोहली के 131, मनीष पांडे के नाबाद 50 और एमएस धोनी के नाबाद 49 रनों की मदद से 50 ओवर में पांच विकेट खोकर 375 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में श्रीलंका टीम मैच में टीम इंडिया को कभी भी चुनौती पेश करती नजर नहीं आई। शुरूआत से ही उसके विकेट गिरते रहे। 42.4 ओवर में पूरी टीम 207 रन बनाकर आउट हो गई। श्रीलंकाई पारी में एंजेलो मैथ्यूज के 70 और मिलिंदा सिरीवर्धना के 39 रन उल्लेखनीय रहे।

किसने क्या किया कमाल

1- महेंद्र सिंह धोनी के बारे में यह कहने की जरूरत नहीं है कि जब वह खेलते हैं कि हमेशा मैच जिताते हैं। 73वीं बार नाबाद रहते हुए महेंद्र सिंह धोनी ने वनडे में सबसे ज्यादा नॉट आउट रहने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने इस मामले में चामिंडा वास और शॉन पोलाक को पीछे छोड़ा है जो 72 बार नॉट आउट रहे हैं।

2- अजीबो-गरीब ऐक्शन वाले लासिथ मलिंगा ने वनडे में 300 विकेट पूरे कर लिए। ऐसा करने वाले वह विश्व के 11वें गेंदबाज बन गए हैं। तेज गेंदबाजी में वह 8वें गेंदबाज बने हैं।

3- विराट कोहली ने वनडे में 29 वां शतक लगाया। उन्होंने 185वीं पारी में यह करिश्मा किया। सचिन तेंदुलकर 29वें शतक तक पहुंचने के लिए 265 और रिकी पोंटिंग ने 330 पारियां खेली थीं।

4- रोहित और विराट की जोड़ी ने 8वीं बार 150 या उससे ज्यादा रनों की साझेदारी की है। इससे पहले सचिन और सौरव के बीच 12 बार ऐसी साझेदारियां हो चुकी हैं।

पीवी सिंधू और साइना नेहवाल को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत को रजत पदक दिलाने वाली महिला खिलाड़ी पीवी सिंधू और कांस्य पदक जीतने वाली साइना नेहवाल और क्वार्टर फाइनल में पहुंचे पुरुष खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत का गुरुवार को खेल मंत्री विजय गोयल ने सम्मान किया। खेल मंत्री ने साथ ही इस मौके पर भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद और साइना के कोच विमल कुमार को भी सम्मानित किया। सिंधू को फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा ने बैडमिंटन के सबसे लंबे मुकाबलों से एक में मात दी थी। यह मैच एक घंटे 50 मिनट तक चला था। ओकुहारा ने ही सेमीफाइनल में साइना को मात देकर विश्व चैंपियनशिप में उनके

सफर को कांस्य तक ही रोक दिया था। श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में सोन वान हो ने मात दी थी। गोयल ने अपने आवास पर इन सभी का सम्मान किया। इस मौके पर गोयल ने कहा, 'हमारे लिए यह खुशी का दिन है कि हम इन खिलाड़ियों का सम्मान कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे देश का मान बढ़ाया है। हम विश्व चैंपियन हैं क्योंकि हमारे पास दो पदक हैं।' सिंधू ने इस मौके पर खेल मंत्री का धन्यवाद किया और कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में देश के अंदर से काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलेंगे। फाइनल मैच काफी मुश्किल था और काफी लंबा भी।' साइना ने कहा, 'मैं खेल मंत्री का शुक्रिया अदा करती हूं। वह हमेशा हमारा समर्थन करते हैं। चोट के बाद आकर इस तरह का प्रदर्शन करना मेरे लिए सकारात्मक पहलू है। हमारे देश में अब चैंपियन पैदा करना मुश्किल नहीं है। एक दिन हम भी चीन, जापान की तरह चैंपियन निकालेंगे।' साइना के कोच विमल ने कहा, 'बैडमिंटन इस देश में क्रिकेट के बाद दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल है। कई युवा खिलाड़ी इस समय जूनियर स्तर पर काफी अच्छा कर रहे हैं उम्मीद है कि वह चैंपियन बनकर उभरेंगे।' गोपीचंद ने सिंधू, साइना के साथ बाकी टीम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बाकी की टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। मैं आश्वस्त हूं कि आने वाले दिनों में हमें कई बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिलेंगे।

भारत की जीत से शुरूआत, सानिया और बोपन्ना दूसरे दौर में

नई दिल्ली। भारत के स्टार युगल खिलाड़ी सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना ने न्यूयॉर्क यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की जीत से शुरूआत की है। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने- अपने जोड़ीदारों के साथ महिला और पुरूष युगल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। महिला युगल के पहले दौर में सानिया ने अपनी जोड़ीदार चीन की पेंग शुआई के साथ अच्छी शुरूआत करते हुए लगातार सेटों में जीत दर्ज की। भारतीय-चीनी जोड़ी ने क्रोएशिया की पेत्रा मार्टिच और डोना वेकिच की जोड़ी को लगभग एकतरफा अंदाज में 6-4,6-1 से महज 55 मिनट में हराया। सानिया-शुआई ने मैच में एक एस लगाया और तीन डबल फाल्ट किए। उन्होंने आठ में से चार बार विपक्षी खिलाड़ियों की सर्विस भी ब्रेक की और कुल 59 अंक जीते। जबकि विपक्षी जोड़ी चार मौकों में से केवल एक बार ही चौथी सीड जोड़ी की सर्विस ब्रेक कर पायीं।

क्रिकेटरों का 'इंडियन आइडल' यानी 'जूनियर आईपीएल' शुरू

नई दिल्ली। इंडियन जूनियर प्रीमियर टी-20 लीग (आइजेपीएल) की गुरुवार को राजधानी में विधिवत लॉन्चिंग हो गई। इसका प्रथम संस्करण 19 से 29 सितंबर तक दुबई के स्टेट ऑफ द आर्ट अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस दौरान बॉलीवुड अभिनेता व फिल्म निमार्ता अरबाज खान मुंबई मास्टर्स और छोटे परदे के सितारे राजीव खंडेलवाल राजस्थान रोअर्स से जुड़ गए। बीसीसीआइ से इस लीग को मान्यता नहीं होने के सवाल पर मुंबई मास्टर्स के मालिक अरबाज ने कहा कि यह इंडियन आइडल की तरह है। पहले दो-तीन गायक ही होते थे, लेकिन इंडियन आइडल जैसे कार्यक्रमों के आने के बाद अन्य प्रतिभाओं को प्लेटफॉर्म मिला और अब नए-नए सिंगर आने लगे। आइजेपीएल भी यही करेगी और देश में नए-नए युवा क्रिकेटर आएंगे। बीसीसीआइ इनका इस्तेमाल कर सकती है। मैं इस लीग के साथ जुड़कर रोमांचित हूं। राजस्थान के मालिक राजीव ने कहा कि यह एक अनूठी लीग है जो कि भारत की वास्तविक प्रतिभा को दुनिया के सामने लेकर आएगी। उन इलाकों में जहां लोग क्रिकेट की स्पेलिंग नहीं जानते, लेकिन क्रिकेट बहुत अच्छा खेलते हैं, वहां से भी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। लीग के ब्रांड एंबेसडर गौतम गंभीर ने कहा कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए एक शानदार प्लेटफार्म है। इस लीग को खेलते हुए यह खिलाड़ी दुनिया भर में देखे जाएंगे और अपनी प्रतिभा के बल पर अपना नाम भी कमाएंगे। आइजेपीएल के प्रबंध निदेशक दिनेश कपूर ने कहा कि इस लीग के लिए तीन दिवसीय शिविर आयोजित कर 16 राज्यों के 23 शहरों से 40000 खिलाड़ियों में से 240 युवाओं का चयन किया गया है। पहली बार आयोजित हो रहे इस टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम को इनामी राशि के रूप में 21 लाख और उपविजेता को 11 लाख रुपए दिए जाएंगे। मैन ऑफ द टूर्नामेंट को इंग्लैंड में होने वाली माइनर काउंटी में खेलने को मिलेगा। अगर इस लीग को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया विजन से जोड़कर देखा जाए तो यह इस दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रभास की फिल्म 'साहो' की स्टार कास्ट में अब ये नाम भी हुए शामिल

सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'साहो' में पहली बार बॉलीवुड एक्ट्रैस श्रद्धा कपूर के साथ टीम अप हो रहे हैं। इस तेलुगु सुपरस्टार के साथ फिल्म में नील नितिन मुकेश, चंकी पांडे और जैकी श्रॉफ तो थे ही, सोर्स की मानें तो अब फिल्म की स्टार कास्ट में महेश मांजरेकर, मंदिरा बेदी और टीनू आनंद का नाम भी जुड़ गया है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म में मंदिरा नेगेटिव कैरेक्टर प्ले कर रही हैं, जिसका नाम है कल्कि। वहीं, महेश और टीनू भी अहम रोल में हैं। सुजीत रेड्डी के डायरैक्शन में बन रही इस फिल्म में जैकी एक विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं। वहीं, नील नितिन मुकेश और चंकी पांडे भी डार्क कैरेक्टर ही प्ले कर रहे हैं। इनके अलावा प्लेबैक सिंगर से एक्टर बने अरुण विजय और मलयालम एक्टर मोहनलाल भी फिल्म में नजर आने वाले हैं। बाहुबली के बाद प्रभास की ये मोस्ट अवेटेड फिल्म है।

राजकुमार राव को बर्थडे गिफ्ट में मिला ऐश्वर्या राय का साथ

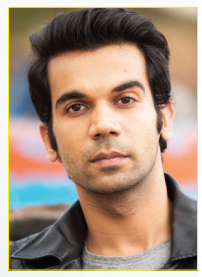

राजकुमार बॉलीवुड के ऐसे अभिनेता हैं जिनकी एक्टिंग की हर कोई तारीफ करता है। हालिया रिलीज 'बरेली की बर्फी' में उनके काम की जमकर प्रशंसा हो रही है। यहां तक कि अमिताभ बच्चन ने भी उनके अभिनय को गजब करार दिया है। इन दिनों ऐश्वर्या राय बच्चन की नई फिल्म फन्ने खां को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस फिल्म के लिए एश्वर्या को तो फाइनल कर लिया गया है लेकिन लीड एक्टर को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। हाल ही में खबर आई है कि इस फिल्म में एश्वर्या अपने से 10 साल छोटे एक्टर के साथ रोमांस करती दिखेंगी। खबरों की मानें तो इस फिल्म के लिए हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव को साइन कर लिया गया है। वहीं अगर ये खबरें सच हैं तो इस फिल्म में ऐश्वर्या अपने से 10 साल छोटे टैलेंटेड एक्टर राजकुमार राव के साथ रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में एश्वर्या 18 साल छोटे रणबीर के साथ रोमांस करती दिखाई दी थीं।

फिल्म 'शेफ' का ट्रैलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान की अपकमिंग फिल्म 'शेफ' का ट्रैलर रिलीज हो गया है। फिल्म में सैफ के साथ पद्मप्रिया, दानिश कार्तिक और दिनेश प्रभाकर हैं। 'शेफ' का निर्देशन राजा कृष्णा मेनन कर रहे हैं। इसके पहले उन्होंने साल 2016 में 'एयरलिफ्ट' जैसी हिट फिल्म का निर्देशन किया था। बता दें कि पहले ये फिल्म 14 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। खबरों की मानें तो 'शेफ' को बॉक्स ऑफिस पर हो रहे क्लैश की वजह से टाला गया है, क्योंकि रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की फिल्म 'जग्गा जासूस' भी इसी डेट में रिलीज हुई थी। सैफ अली खान की ये फिल्म एक पिता और बेटे की कहानी है। 'शेफ' फिल्म 6 अक्टूबर 2017 को रिलीज होगी।

बिकिनी पहने हुए इंटरनैट पर तहलका मचा रही है राय लक्ष्मी

साउथ एक्ट्रैस राय लक्ष्मी अब जल्द ही अपनी बॉलीवुड फिल्म 'जूली 2' से डेब्यू करने वाली है। जब से इस फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज हुआ है तभी से राय काफी सुर्खियों में बनी हुई है। राय सोशल साइट पर काफी एक्टिव रहती है। वह एक्सर अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टा पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह बिकिनी पहने हुए काफी हॉट लुक में नजर आ रही हैं। उनका ऐसा लुक उनके फैंस को मदहोश कर देने वाला है। वह पूल में काफी हॉट अदाओं के साथ पोज देते हुए नजर आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म के लिए राय लक्ष्मी ने 11 किलो वजन घटाया और बाद में कहानी की मांग के हिसाब से अभिनेत्री को अपना वजन भी बढ़ाना पड़ा। बता दें कि उनकी यह फिल्म 2004 में आई फिल्म 'जूली' का सीक्वल है। नेहा धूपिया अभिनीत फिल्म 'जूली' ने बोल्डनैस को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थी। अब इसके सीक्वल फिल्म रिलीज होने के लिए तैयार है। जब से इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है तभी से राय लक्ष्मी के बोल्डनैस की खूब चर्चा हो रही है। इस फिल्म का ट्रेलर चार सितंबर को रिलीज होगा। इस फिल्म में जूली का रोल अभिनेत्री राय लक्ष्मी ने निभाया है। इस फिल्म के लेखक और डायरैक्टर दीपक शिवदसानी है। फिल्म की टैगलाइन है, बोल्ड, खूबसूरत और सौभाग्यशाली। यह थ्रिलर फिल्म इसी साल 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।